दैनिक समाचार पत्र

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर|| वर्ष 2 अंकः 66 | ग्वालियर शुक्रवार 21 दिसम्बर 2018 पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

बालरंग समारोह भारतीय संस्कृति का सही दर्शन हैः राज्यपाल

भोपाल। बालरंग समारोह भारतीय संस्कृति का सही दर्शन है। विविधता में एकता हमारे देश की संस्कृति है। बच्चे देश का भविष्य हैं, इन्हें बचपन से ही संवारना, संस्कारवान, देश प्रेम और आपसी भाई चारे की भावना से ओतप्रोत करना समाज के सभी वर्गों का नैतिक उत्तरदायित्व है। यह बात राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल नेआज भोपाल के इंदिरा गांधीराष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित राष्ट्रीय बालरंग समारोह का शुभारंभ कार्यक्रम में कही। राज्यपाल ने इस अवसर पर बच्चों द्वारा लागाई गइ प्रदर्शनों का अवलोकन किया तथा बालरंग स्मारिका का विमोचन भी किया। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विभिन्न संस्कृतियों में पल रहे, भिन्न-भिन्न भाषा बोलने वाले इन बच्चों को एक साथ एक मंच पर देखकर देश के उज्जवल भविष्य का सपना सच होता दिखाई दे रहा है। राज्यपाल ने कहा कि भारत विभिन्न संस्कृति, रिवाज, खानपान, आस्थाओं व मान्यताओं वाला देश है। सांस्कृतिक विरासत देश की धरोहर है। इसका निरंतर संरक्षण और विकास सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान आधुनिक, प्रौद्योगिकी और तकनीकी के युग में नई पीढ़ी पर पश्चिम सभ्यता का प्रभाव अधिक तेजी से देखने को मिल रहा है। नई पीढ़ी अपनी संस्कृति के जिस स्वरूप को देखती है, उसी के अनुरूप जीवन के नये मूल्यों का निर्माण करती है। यह हम सबका दायित्व है कि हम अपनी संस्कृति और सभ्यता से बच्चों को अवगत करायें।राज्यपाल ने कहा कि 80 प्रतिशत बच्चे माँ के गर्भ से ही सीख जाते हैं। उन्होंने कहा कि हर छात्र इंजीनियर या डाक्टर नहीं बन सकता उन्हें अपनी रूचि के मुताबिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दिया जाना चाहिए। राज्यपाल ने बच्चों से स्वच्छता परविशेष ध्यान देने का आव्हान किया।आयुक्त श्री जयश्री कियावत ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा गतिविधियों की जानकारी दी। मानव संग्रहालय के निदेशक डॉ सरित चौधरी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्री रश्मि अरूण शमी, सचिव स्कूल शिक्षा श्री शोभित जैन सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पीएम मोदी 24 को जारी करेंगे पाइका विद्रोह की याद में स्मारक सिक्का और डाक टिकट

नई दिल्ली (ए)। संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैसमंत्री धमेन्द्र प्रधान ने आज एक संयुक?त संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 24 दिसंबर, की भुवनेश्वर यात्रा और पाइका विद्रोह की याद में मनाए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री 24, दिसंबर को आईआईटी भुवनेश्वर के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पाइका विद्रोह की याद में स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी करेंगे। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में इस कार्यक्रम की याद में 5 करोड़ रुपये की लागत से एक पीठ स्थापित करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि यह धनराशि विश्वविद्यालय को संचित निधि के रूप में जारी की जाएगी। पीठ का खर्च संचित निधि पर अर्जित होने वाले ब्याज की रकम से वहन किया जाएगा। संस?कृति मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री पुरातत्व संग्रहालय, ललितगिरी का भी उद्घाटन करेंगे, जो निश्चित रूप से क्षेत्र के पर्यटन के फलक में एक नया आयाम जोड़ेगी और रोजगार के अवसरों की संभावनाओं में अपार वृद्धि करेगी। पाइका विद्रोह को राष?ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए संस्कृति मंत्रालय का आभार प्रकट करते हुए धमेन्द्र प्रधान ने कहा कि सन 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम से 40 साल पहले 1817 में बक्सि जगबन्धु ने खोर्धा में दमनकारी ब्रिटिश राज के खिलाफ बहादुर पाइका योद्धाओं को जागृत किया था और जंग में उनका नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में रह रहे ओडिशा के वासियों के लिए यह गर्व का क्षण है जब मौजूदा सरकार ने पाइका को गौरवपूर्ण स्थान देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस विद्रोह के दो सौ साल पूरे होने के अवसर को उचित ढंग से मनाने के निर्णय की घोषणा 2017-18 के बजट भाषण में की गई थी। भारतीय पुरातत?व सर्वेक्षण विभाग की महानिदेशक श्रीमती उषा शर्मा ने उद्घाटित होने जा रहे संग्रहालय के बारे में मीडिया को जानकारी दी।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

मुख्यमंत्री ने अपनी पहली बैठक में किय ऐलान

जान-पहचान से नहीं, नियमों से होगी पोस्टिंगः कमलनाथ

भोपाल। पदस्थापना को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने संदेश दिया कि पोस्टिंग जान-पहचान नहीं, बल्कि नियमों से ही की जाए, जिससे किसी पुलिसकर्मी के साथ पक्षपात जैसा संदेश न जाए। पुलिस मुख्यालय में मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपनी पहली बैठक में एक ही पद पर जमे अफसरों को लेकर कहा कि यह प्रथा समाप्त होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर सभी अधिकारियों से उनकी मौजूदा पदस्थापना की तारीख के साथ नाम, बैच और शाखा के साथ परिचय लिया। सूत्रों के मुताबिक इसमें वे कुछ अधिकारियों की छह-सात साल से एक ही पद पर पोस्टिंग सुनकर चौंक गए। बाद में उन्होंने पत्रकारों से चर्चा में इसका हवाला भी दिया और कहा कि सालों से एक ही पद पर पदस्थापना की प्रथा समाप्त होगी। वहीं, मीटिंग में पोस्टिंग को लेकर स्पष्ट किया कि जान-पहचान या चहेतों के आधार पर पुलिसकर्मियों की पदस्थापना नहीं होना चाहिए। नाथ ने अधिकारियों को कहा कि सरकार के प्रस्ताव पर अपने विचार रखना चाहिए और फैसले को लेकर चिंता नहीं करना चाहिए। सहमति-असहमति अलग विषय होता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस अपनी छवि खुद बनाती है। प्रदेश की छवि बनाने में पुलिस की अहम भूमिका होती है। सूत्रों ने बताया कि जब गांव में कहीं खड़े होते हैं और किसी अवैध गतिविधि के बारे में पूछते हैं तो बताया जाता है कि पुलिस ही तो करा रही थी। नाथ ने कहा कि पुलिस अपनी छवि खुद बनाती है या बिगाड़ती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस की जरूरतों का मूल्यांकन होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि पुलिस का बजट कम है और उसे बढ़ाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक योजना शाखा ने पुलिस बल और जनसंख्या के राष्ट्रीय औसत की जानकारी दी।

मंदिर निर्माण का धर्म संसद में होगा फैसला, भागवत और शाह भी होंग शामिल

नई दिल्ली। राम मंदिर मसले पर होनी वाली धर्म संसद में संघ प्रमुख मोहन भागवत और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह शामिल होंगे। 31 जनवरी और 1 फरवरी को संगम नगरी प्रयागराज में धर्म संसद का आयोजन किया जाना है। विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में होने वाली इस धर्मसंसद में देश के साधु संतों के अलावा बड़ी संख्या में भक्तगण एकत्र होंगे। राम मंदिर निर्माण को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने भाजपा और सरकार पर दवाब बनाने के लिए इस बैठक में अमित शाह को भी बुलाया है। अमित शाह के अलावा संघ प्रमुख मोहन भागवत को भी इस धर्म संसद के लिए निमंत्रण भेजा गया है। धर्म संसद में इस बार अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण को लेकर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। विश्व हिंदू परिषद पहले ही सरकार पर दवाब बनाए हुए है कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के लिए कोर्ट के अलावा दूसरे विकल्पों को भी तलाशे। विश्व हिंदू परिषद ने यहां तक कहा है कि अगर बीजेपी सरकार राम मंदिर निर्माण के लिए कुछ नहीं करती है तो फिर साधु संत किसी और पार्टी का समर्थन कर सकते हैं। धर्म संसद में विहिप की ओर से विश्व के 40 देशों में रहने वाले संगठन के पदाधिकारियों को निमंत्रण भेजा गया है। साथ ही कुंभ दर्शन के लिए देश के सभी शहरों में संगठन की ओर से लोगों को प्रयागराज आने का न्यौता दिया गया है।

थाईलैंड नौसेना के कमांडर-इन-चीफ एडमिरल लुईचाए रडिट भारत के दौरे पर

नई दिल्ली (ए)। थाईलैंड नौसेना के कमांडर-इन-चीफ एडमिरल लुईचाए रडिट 18 से 21 दिसंबर तक भारत के दौरे पर हैं। उनके साथ थाई नौसेना का 9 सदस्यीय शिष्टमंडल भी आया है। थाई नौसेना का कार्यभार सम्भालने के बाद उनकी यह पहली भारत यात्रा है। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय नौसेना संबंधों को मजबूती देना है। अपनी यात्रा के दौरान थाईलैंड नौसेना प्रमुख ने भारत के नौसेना प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। थाई नौसेना प्रमुख ने 19 दिसंबर, 2018 को रक्षामंत्री से भी भेंट की। इस दौरान दोनों देशों के बीच नौसेना संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान के बारे में एक तकनीकी समझौते पर भी हस्ताक्षर हुए। इस समझौते से क्षेत्र में भारतीय नौसेना और थाई नौसेना के बीच सामुद्रिक जागरूकता बढ़ेगी। थाई नौसेना प्रमुख 20 दिसंबर, 2018 को मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान का दौरा करेंगे। वहां वे वरिष्ठ नौसेना अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे ।

1200 करोड़ के हवाला कारोबार की जांच शुरु

भोपाल। करीब 1200 करोड़ के हवाला मामले में बैंक खातों की छानबीन शुरू हो गई है। हाल ही संपन्न हुए मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान आयकर विभाग की जांच में यह हवाला कारोबा उजागर हुआ था। हवाला कारोबारियों के तार कुछ राजनीतिक हस्तियों से भी जुड़ रहे हैं। गुटखा डीलर के यहां मिले दस्तावेजों से भी कई खुलासे हो रहे हैं। आयकर विभाग की एक टीम हवाला की गुत्थी सुलझाने में जुटी है। आयकर विभाग की इन्वेस्टीगेशन विंग को रुटीन छानबीन के दौरान देशभर में फैले इस हवाला कारोबार का सुराग मिला था। दरअसल एक किराना एवं गुटखा डीलर की दुकान पर नोट गिनने की मशीन देखकर आयकर अफसरों ने जब डायरी और दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की तो करोड़ों रुपए का लेनदेन निकलने लगा। उसके नागपुर में स्थित निजी लॉकर से भी करीब तीन करोड़ रुपए नकदी बरामद हुई। उधर जबलपुर के खिलौना व्यापारी के यहां ही पांच सौ करोड़ से शुरू होकर हवाला का दायरा एक हजार करोड़ तक जा पहुंचा। हवाला कारोबार के संदर्भ में जबलपुर, पांढुर्ना (छिंदवाड़ा), कटनी, बालाघाट, देवास और इंदौर के बुलियन कारोबारी के यहां मिले दस्तावेजों की जांच में कुछ राजनीतिक हस्तियों और कारोबारियों के नाम भी सामने आ रहे हैं। विभाग इन सभी लोगों की आर्थिक कुंडली की छानबीन में जुटा है। इनमें कुछ मामले नोटबंदी के दौरान के भी हैं। उधर पांढुर्ना (छिंदवाड़ा) के किराना और गुटखा डीलर के यहां भी 75 करोड़ रुपए की रकम के लेनदेन की एंट्री को लेकर पूछताछ का सिलसिला चल रहा है। इंदौर में बुलियन कारोबारी के यहां फर्जीवाड़े से जुड़े दस्तावेजों में फर्जी बिल, चैक और दूसरी कंपनियों के बैंक अकाउंट्स से बड़ी रकम घुमाने का ब्योरा मिला है। कुछ बैंक अकाउंट्स से बड़ी राशि के लेनदेन का सत्यापन भी हुआ है। खासतौर पर देवास के मामले में बैंक के जरिए लेनदेन की सारी कहानी सामने आ गई। बालाघाट के आभूषण व्यापारी और कटनी से हुए 75 करोड़ के हवाला को लेकर पूछताछ में कुछ और कड़ियां सामने आई हैं। जबलपुर से जब्त हुए दस्तावेजों में भी आयकर के जांच अधिकारियों को नोटबंदी के बाद की ढेरों एंट्री मिली हैं।

ब्लैकमेलर युवती ने की थी महाराज के बेडरुम में घुसने की कोशिश

मामला राष्ट्रीय संत भैयू महाराज की आत्महत्या का

भोपाल। इंदौर निवासी राष्ट्रीय संत भैयू महाराज की आत्महत्या मामले में नीत नए खुलासे से उनके चाहने वाले भौचक है। ताले खुलासे में पता चला है कि भैयू महाराज की दूसरी शादी के सप्ताह भर बाद ब्लैकमेलर युवती उनके घर पहुंची थी और महाराज के बेडरुम में घुसने का प्रयास किया था। पुलिस की पूछताछ में सहयोग करने महाराज के दोस्त मनोहर सोनी दोबारा सीएसपी ऑफिस पहुंचे। उन्होंने कहा कि ड्राइवर कैलाश पाटिल ने सच कहा है। महाराज ने ब्लैकमेलिंग के कारण जान दी है। जो युवती ब्लैकमेल कर रही थी वह आयुषी से शादी करने के सात दिन बाद महाराज के घर आ गई। बेडरूम में घुसने की कोशिश की और कहा मैं यहीं रहूंगी। महाराज से फोन पर बात करवाई तो उन्होंने कहा इसे घर में रुकने दो। लेकिन आयुषी ने कहा इसे एक पल भी नहीं रुकने दूंगी। भय्यू महाराज आत्महत्या केस में पुलिस ने बुधवार को प्रमुख संदेही शरद देशमुख और सेवादार शेखर शर्मा से 10 घंटे पूछताछ की। शरद ने उस युवती के बारे में पुलिस को अहम जानकारी दी जिस पर महाराज का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग का आरोप है। शरद ने कबूला कि महाराज की आत्महत्या के तत्काल बाद युवती ने उसे कॉल किया था। पुलिस ने शरद का मोबाइल जब्त कर लिया है। बाद में महाराज के दोस्त भी पुलिस के पास पहुंचे। तीनों ने अलग-अलग कहानियां सुनाईं। दो ने ब्लैकमेलिंग से इनकार किया और पत्नी पर प्रताड़ना के आरोप लगाए तो तीसरे ने ब्लैकमेलिंग से महाराज के परेशान होने की बात कही। शरद देशमुख निवासी पारनेर (रालेगांव सिद्धि) और शेखर शर्मा अकोला (महाराष्ट्र) को सीएसपी सुरेंद्रसिंह तोमर ने बुधवार दोपहर नोटिस देकर तलब किया। शरद पर आरोप है कि आश्रम से जुड़ी एक युवती के जरिए मुख्य सेवादार विनायक के साथ मिलकर भय्यू महाराज को ब्लैकमेल कर रहा था। आत्महत्या के एक दिन पहले उक्त युवती ने शरद के फोन कॉन्फ्रेंस के जरिए महाराज से बातचीत भी की थी।

महागठबंधन में शामिल हुए एनडीए विरोधी आरएलएसपी नेता उपेंद्र कुशवाहा

नई दिल्ली। मोदी सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा देने और एनडीए से नाता तोड़ने के बाद राष्ट्रीय लोकसमता पार्टी के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा गुरुवार को मोदी विरोधी गुट यूपीए का हिस्सा बन गए। दिल्ली में ऑल इंडिया कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर उन्होंने यूपीए का दामन थामा। उन्होंने कहा कि एनडीए में उनका अपमान हो रहा था। कुशवाहा के यूपीए में शामिल होने का ऐलान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने बिहार में महागठबंधन के नेताओं की मौजूदगी में किया। इसमौके पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कुशवाहा का महागठबंधन में स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी ने कहा कि यह संविधान और देश बचाने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि इस समय देश में अघोषित इमर्जेंसी है और पीएम मोदी घटक दलों पर भी तानाशाही कर रहे हैं। आरजेडी नेता ने कहा कि यह उनके खिलाफ लड़ाई है, जिन्होंने जनता को सिर्फ और सिर्फ धोखा देने का काम किया, गुमराह करने का काम किया। जनता इन्हें करारा जवाब देगी। तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि महागठबंधन से नाता तोड़ फिर से एनडीए के साथ सूबे में सरकार बनाने को लेकर तेजस्वी ने कहा कि चाचा नीतीश कुमार ने जनादेश का अपमान किया, जनादेश का रेप किया। उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार कही जाती है लेकिन इसका एक इंजन अपराध में है तो दूसरा इंजन भ्रष्टाचार में है। प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए तेजस्वी ने कहा कि चुनाव के दौरान वह बिहार की बोली लगा रहे थे कि कितना दूं, 60 हजार करोड़ या 80 हजार करोड़। आरजेडी नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिहार को सवा लाख करोड़ रुपये देने का ऐलान किया था। बिहार की जनता हिसाब मांग रही है, बताइए वे पैसे कहां गए। तेजस्वी ने कहा कि पूर्वोत्तर से लेकर कश्मीर तक, देश के हर हिस्से में एनडीए अपने सहयोगियों को खो रही है। उन्होंने कहा कि जनता ने मूड बना लिया है कि ठगने वालों को करारा जवाब मिलेगा। तेजस्वी ने साथ में यह भी कहा कि संविधान बचाने के लिए हमें अपने-अपने ईगो से समझौता करना चाहिए। यूपीए का दामन थामने के बाद उपेंद्र कुशवाहा ने कांग्रेस अध्यक्ष की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कर्जमाफी का वादा किया था, जिस कर दिखाया। हाल तक मोदी सरकार में मंत्री रहे कुशवाहा ने प्रधानमंत्री मोदी पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी कथनी और करनी में अंतर है। आरएलएसपी प्रमुख ने कहा, %प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि बिहार के लोगों को पढ़ाई, दवाई और कमाई के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ेगा....लेकिन ऐसा नहीं हुआ।% उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरएलएसपी को कमजोर करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। उपेंद्र कुशवाहा ने ऐलान किया कि 2 फरवरी को उनकी पार्टी पटना में आक्रोश मार्च निकालेगी। वहीं बिहार कांग्रेस के प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने बिहार में महागठबंधन के बीच सीट शेयरिंग को लेकर कहा कि सही वक्त पर सही फैसला होगा।

शिवपुरी पुलिस को मिली बड़ी सफलता अवैध हथियार तस्कर, 9 पिस्टल व कारतूसों के साथ गिरफ्तार

शिवपुरी(ब्यूरो रिपोर्ट)

पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन अंशुमान यादव को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि तीन व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ ईदगाह शिवपुरी में विक्रय करने के लिए आने वाले हैं उक्त सूचना पर पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन द्वारा पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश हिंगणकर को सूचना से अवगत कराया एवं कार्रवाई करने हेतु आदेशित किया । जिस पर से पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा एसडीओपी शिवपुरी सुरेश चंद्र दोहरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देहात परि. डी.एस.पी. कीर्ति बघेल को मुखबिर सूचना से अवगत कराकर तत्काल कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया । सूचना पर से थाना प्रभारी देहात कीर्ति बघेल के नेत्रत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया जिसमें उनि कृपाल सिंह राठौर,उनि अमित चतुर्वेदी, उनि पुनीत वाजपेई, प्रआर. अमृतलाल, आर. रघुवीर, आर.राहुल, आर. नरेश यादव और आर. भूपेंद्र रहे। उक्त टीम को तैयार कर मौके पर रवाना किया जहाँ टीम द्वारा तलैया मोहल्ला के सामने ईदगाह पर घेराबंदी कर तीन व्यक्तियों को पकड़कर नाम पता पूछा जिन्होंने अपने नाम देवराम पुत्र मक्खन सिंह मिगवाल उम्र 50 साल निवासी ग्राम उमेठी थाना वरला जिला

बड़वानी,धर्मेंद्र पुत्र हरगोविंद धानुक उम्र 40 साल निवासी तलैया मोहल्ला शिवपुरी, अरुण पुत्र स्व. कमलेश शर्मा उम्र 30 साल निवासी जवाहर कॉलोनी शिवपुरी का होना बताया। जिनकी तलाशी लेने पर देवराम के कब्जे से 04 पिस्टल, धर्मेंद्र के कब्जे से 03 पिस्टल व 6 जिंदा कारतूस, अरुण शर्मा के कब्जे से 02 पिस्टल बरामद कर थाना देहात में अपराध क्रमांक 307/18 धारा 25,27,25(1)क,क आयुध अधिनियम के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा उक्त सराहनीय कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम को पुरूस्कृत करने की घोषणा की गई ।

विधायक एवं प्रशासन के आश्वासन के बाद

किसानों ने की भूख हड़ताल खत्म 2 दिन में मिलने लगेगा किसानों को पानी

रिपोर्टर धीरज ओझा

बैराड़ तहसील के ग्राम बमनपुरा एवं गोदौली पुरा के ग्रामीणों को पची पुरा तालाब से निकलने वाली नहर से खेतों को पानी नहीं मिलने को लेकर 2 दिन से तहसील के आगे चल रही किसानों की भूख हड़ताल आज तीसरे दिन क्षेत्र के विधायक सुरेश राठ खेड़ा एसडीएम मुकेश सिंह एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसानों ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी। विधायक एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने किसानों को 2 दिन में नहर को सही कर प्रेसर के साथ पानी दिए जाने का आश्वासन दिया जिसे किसान मान गए ।

तहसील के आगे चल रही किसानों की भूख हड़ताल समाप्त करने के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा 2 दिन से प्रयास किए परंतु असफल रहे तीसरे दिन जिला कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम मुकेश सिंह सिंचाई विभाग के अधिकारियों एवं विधायक ने नहर के मौके स्थल पर जाकर आने वाली परेशानी का मुआयना किया एवं खामियों को दूर कर दो दिन में किसानों को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया ज्ञात रहे किसानों को पचीपुरा तालाब से पानी नहीं मिलने एवं नहर फूटने तथा नहर बनने में हुए भ्रष्टाचार को लेकर किसानों ने बैराड़ तहसील के आगे करीब दो दर्जन किसानों द्वारा भूख हड़ताल की गई थी।

दो गुटों में मारपीट

मुरैना। कैलारस थानान्तर्गत चिनोटी का पुरा में गत दिवस दो गुटों में हुये विवाद पर से मारपीट हो गयी। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर से क्रॉस मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामनाथ पुत्र मनीराम धाकड व सोहनलाल पुत्र बाबूलाल धाकड निवासीगण चिनोटी का पुरा के परिजनों के बीच गत दिवस हुये विवाद पर दोनों पक्षों में मारपीट हो गयी। पुलिस थाने पहुंचकर सोनेराम धाकड़ ने मनीराम, लोकेन्द्र, रामनाथ, रामविलास, नीतू, मिथलेश तथा दूसरे पक्ष की ओर से मनीराम धाकड़ ने रामौतार, सोहनलाल, बाबूलाल, रामवती, ममता, नारायणी धाकड़ के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर से क्रॉस मामला दर्ज किया है।

समाजसेवी व पत्रकारों ने किया लावारिस का अंतिम संस्कार

मुरैना। कहते हैं कि मरने वाले का भगवान होता है और जहां मृतक का कोई बारिश न हो, कांधा देने के लिए परिवार न हो तो अंतिम संस्कार कौन करे। लेकिन मुरैना के समाजसेवियों और पत्रकारों ने मिलकर इस परम्परा का निर्वाह किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक लावारिस व्यक्ति जो जिला चिकित्सालय में कुछ दिन पूर्व भर्ती किया गया था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। कहने के लिए तो उसका नाम रामसिंह पुत्र गजराज सिंह था लेकिन उसका कोई पता नहीं था कि वह कहां का है कहां से आया है। मंगलवार को उसकी मौत के बाद पोस्टमार्टम के लिए उसके शव को शव परीक्षण केन्द्र में ले जाया गया। जहां उसका परीक्षण करने के बाद अंतिम संस्कार की बारी थी तो इसका वीणा मुरैना के प्रबुद्ध समाजसेवियों ने उठाया तो कुछ राजनैतिक लोग भी इसमें जुड गए। प्रमुख रूप से श्री बांके बिहारी मंडल एवं नेकी की दीवार के लोगों ने मिलकर उस लावारिस व्यक्ति की अर्थी सजाई और रामधुन करते हुए उसको मुक्तिधाम तक शव वाहन से ले जाया गया गया इसके बाद लोगों उसको कांधा देकर हिन्दू रीति रिवाज से उसक अंतिम संस्कार कर पुण्यलाभ प्राप्त किया। इस पावन कार्य में प्रमुख रूप से पार्षद संजय शर्मा, प्रांशत शर्मा, उदित मंगल, प्रेमकांत शर्मा, मनोज जैन, अरूण परमार, सुमित दुबे, गिर्राज राजोरिया, उदित मंगल, सुरेश सिंह परमार, संजय दीक्षित, संजय शर्मा, राहुल पाराशर, राहुल पचौरी, अरुण परमार, मनोज जैन, शैंकी शर्मा, महेश शर्मा, दिलीप डंडोतिया, अरविंद भदोरिया, सृजल डंडोतिया आदि मौजूद थे।

5 स्थानों पर मारपीट

मुरैना। जिल के विभिन्न थाना क्षेत्र के अन्तर्गत अलग-अलग स्थानों पर हुये विवाद में नामजद आरोपियों ने 5 लोगों के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने फरियादियों की रिपोर्ट पर से प्रकरण दर्ज किये हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महुआ थाना क्षेत्र के ग्राम रेपुरा निवासी सत्यभान पुत्र ब्रजमोहन सिंह तोमर की गत दिवस हुये विवाद पर एक राय होकर सुनील तोमर, राजेन्द्र ओझा, दीपू शर्मा निवासीगण रायपुरा ने गालियां देते हुये मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। वहीं अम्बाह में किले के पास गुलशन पुत्र ओमप्रकाश तोमर निवासी पोरसा रोड अम्बाह की हुये झगड़े में अंशु उर्पु प्रीतम तोमर, नन्दु शर्मा सहित 3 अज्ञात लोगों ने एक राय होकर मारपीट कर दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये पिस्टल से हवाई फायर किये। तथा अम्बाह में करोली माता मंदिर के पास सूरज पुत्र राजकुमार तोमर की गत दिवस हुये झगड़े में संजय, बलवीर बुआ पुरा एवं राजीव चौहान भदपुरा भिण्ड ने एक राय होकर मारपीट कर दी। इधर सबलगढ़ में पंचम पुत्र भीका राठौर निवासी गंज रोड सबलगढ की गत दिवस दुकान पर हुये विवाद में उप्पे उर्फ उपेन्द्र पुत्र उत्तम गौड निवासी रानी कुआ रोड सबलगढ ने गाली-गलौज करते हुये मारपीट कर दी। उधर पहाडगढ़ क्षेत्र के जेबरा गांव में गजेन्द्र पुत्र रामलखन गुर्जर की गांव के कल्ली, बंटी, हरिओम, भारत गुर्जर ने एक राय होकर मारपीट कर दी। पुलिस ने फरियादियों की रिपोर्ट पर से अलग-अलग अपराध पंजीबद्ध किये हैं।

जिला बदर आरोपी गिरफ्तार

मुरैना। सिहोनिया थाना क्षेत्र के अन्तर्गत सिहोनिया निवासी जिला बदर आरोपी को गत दिवस पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिहोनिया निवासी जिला बदर आरोपी सीता तोमर पुत्र जगदीश को गत दिवस आदेश की अवहेलना करते हुये घर पर होने की मुखबिर सूचना पर से उसे घर से पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने जिला बदर आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है।

जौरा विधायक बनवारी का कैलारस में हुआ भव्य स्वागत

मुरैना। जौरा विधानसभा से नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायक बनवारीलाल शर्मा जापथाप का प्रथम नगर आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ता, समर्थक एवं जनता द्वारा जगह-जगह पुष्पहार शॉल, श्रीफल भेंट कर भव्य स्वागत किया। नवनिर्वाचित विधायक बनवारीलाल शर्मा नगर में स्वागत शक्कर कारखाना से शुरू हुआ, जहां से धर्म दुबोलिया ने फलों से तौला। वहां से एमएस रोड से होते हुए पुरानी सब्जी मण्डी पर दिनेश मरैया ने लड्डुओं से तोला, वहीं से स्वागत की श्रंखला में कैलारस के व्यवसायी अरूण सिंघल उर्फ अन्नो नैपरी वालों ने सोने की चैन एवं चांदी का श्रीफल भेंट किया। इसके उपरांत कांग्रेस पार्टी के नगर परिषद कैलारस के उपाध्यक्ष नंदकिशोर शर्मा ने निवास पर पहुंचे, जहां उपस्थित सैकड़ों नागरिक एवं कार्यकर्ताओं द्वारा शॉल, श्रीफल भेंट कर विधायक का भव्य स्वागत किया। राजकुमार सिंघल के निवास पर भी स्वागत किया। वहीं नगर में सैकड़ों जगह विधायक का स्वागत किया गया।

शासकीय पीजी कॉलेज में एम्यूमनाइ मीट आज

मुरैना। शासकीय पीजी कॉलेज मुरैना में विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत सत्र 2017-18 के स्नातक एवं स्नातकोत्तर (सभी संकाय) कक्षाओं के साी पास आउट विद्यार्थियों का छात्र सम्मेलन महाविद्यालय के नवीन भवन में 21 दिसम्बर को आयोजित किया जा रहा है। शासकीय पीजी कॉलेज मुरैना के पीआरओ एवं छात्र सम्मेलन आयोजन समिति के सदस्य डॉ. विनायक सिंह तोमर ने कि इस छात्र सम्मेलन में महाविद्यालय के सभी पासआउट छात्रों का परिचय प्राप्त कर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं एवं स्वरोजगार हेतु विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा और जो छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल्ता प्राप्त कर चुके हैं उनके अनुभव के ज्ञान को नवीन विद्यार्थियों से सांझा किया जाएगा। इस छात्र सम्मेलन की आयोजन समिति का संयोजक वनस्मृति विभाग के प्राध्यापक डॉ. आरपी सिंह को बताया गया है। उक्त आयोजन समिति के सदस्यों डॉ. जीडी वैश्य, डॉ आरएल सखवार, डा. लोकेश प्रसाद, डॉ. दिलीप कटारे और डॉ. विनायक सिंह तोमर ने महाविद्यालय के सभी पूर्व विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर शासन की कैरियर और स्वरोजगार संबंधी महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ लें और स्वरोजगार के नए आयामों से परिचित हों।

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिये: कलेक्टर

मुरैना। स्कूलों में बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना एक शिक्षक का कर्तव्य है। शासकीय स्कूलों में शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिये शिक्षकों को लगन से अपना काम करना होगा। इसलिये शिक्षक समय पर स्कूल पहुंचे। कलेक्टर भरत यादव ने संकुल प्राचार्यों, बीईओ व बीआरसी को इस संबंध में निर्देश दिये। उन्होंने कहा संकुल प्राचार्य इसकी मॉनीटरिंग करें और जिन शिक्षकों द्वारा अच्छा काम नहीं किया जा रहा है उसकी रिपोर्ट भी दें। गुरूवार को जिला पंचायत सभागार में संकुल प्राचार्यों, बीईओ, बीआरसी एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्था प्रमुखों एवं संचालकों के साथ बैठक रखी गई। इस अवसर पर जिला शिक्षाधिकारी आरजे सत्याोर्थी, डीपीसी महेश तोमर भी उपस्थित थे।

कलेक्टर भरत यादव ने कहा कि बोर्ड परीक्षा का समय नजदीक है। स्कूीलों का परीक्षा परिणाम सकारात्मक रहे इसलिये सभी टीचर स्कूशलों में कक्षायें समय पर लें और बच्चों का सिलेबस पूरा करायें। उन्होंने अशासकीय शैक्षणिक संस्थाोओं के प्रतिनिधियों से कहा कि प्रोफाइल अपडेशन का काम समय पर किया जाये। स्कूलों में फर्नीचर आदि सामग्री है उसका बेहतर उपयोग बोर्ड परीक्षाओं के समय किया जा सकता है। स्कूलों में सहीन ढंग से परीक्षायें सम्पन्न कराने के लिये अपनी तैयारी रखें। कलेक्टर श्री यादव ने कहा स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिये अतिथि शिक्षकों को रखा जायेगा इसमें कुछ शिक्षक ऐसे होंगे जो पूर्व में भी अतिथि शिक्षक के तौर पर कार्य कर चुके हैं। संकुल प्राचार्य अतिथि शिक्षकों की चयन प्रक्रिया में पारदर्शी तरीके से अपनी भूमिका निभाये। उन्होंसने कहा छात्रवृत्ति योजना के तहत जो भी भुगतान होना है वह समय पर किये जायें। साथ ही उन्हों ने आश्वाासन दिया कि शिक्षकों की जो भी समस्यायें हैं उसे प्राथमिकता से लेते हुये निराकरण किया जायेगा।

-एक परिसर एक शाला योजना का क्रियान्वायन हो : कलेक्टर भरत यादव ने कहा कि एक परिसर एक शाला योजना का क्रियान्वयन होना चाहिये। एक परिसर में संचालित होने वाले स्कूकलों में आपसी समन्वय हो। इसका लाभ स्कूलों को मिलेगा एवं इस पहल का उपयोग शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार में किया जा सकता है। इससे जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है उसको भी पूरा किया जा सकता है।

-विद्यार्थियों को करें साइकल वितरित : आचार संहिता के कारण स्कूलों में विद्यार्थियों को साइकिल वितरण नहीं हो पाई थीं। परंतु अब इसे प्राथमिकता से लेते हुये कक्षा छठवीं एवं नौवीं के विद्यार्थियों को साइकल प्रदान करें और ऑनलाइन पोर्टल पर ही इसकी एंट्री करें।

-कार्य में लापरवाही पर होगी कार्यवाही : कलेक्टर श्री यादव ने सख्तव निर्देश दिये है कि शिक्षा विभाग का अमला तत्परता से काम करे। स्कूलों का परिणाम अच्छा आना चाहिये। अच्छा परिणाम आने पर शिक्षकों को पुरस्कृत किया जायेगा। जबकि जो शिक्षक काम में लापरवाही बरतेंगे उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

कमलनाथ जी मुख्यमंत्री बनने पर एवं
विजय चौरे सौसर के ऐतिहासिक
जीत पर एडवोकेट देवेन्द्र ढोवले पूर्व
नगर अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी
मोहगांव एवं समस्त कांग्रेस
कार्यकर्ताओ की ओर से

नये वर्ष की ढेर सारी शुभकामनाएं

विद्युत विभाग का अवैध हीटर जप्ती अभियान आज से शुरू

मुरैना। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बढ़ती सर्दी के कारण अवैध रूप से हीटर का उपयोग करने से बढते लोड के चलते आज 21 दिसम्बर शुक्रवार से अवैध हीटर जप्ती अभियान शुरू किया जायेगा। महाप्रवंधक विनोद कटारे द्वारा जारी आदेश के तहत 4 जोन के लिये पृथक रूप से 13 सदस्यीय टीम गठित की है जिसमें 2 महिला कर्मचारी शामिल है। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बकाया बिजली बिल बसूली अभियान के साथ-साथ बढ़ती ठंड में अवैध रूप से हीटर का उपयोग के चलते बढते लोड के कारण अवैध हीटर जप्ती अभियान शुक्रवार से शुरू किया जायेगा। हीटर जप्त अभियान के लिये गठित 13 सदस्यीय टीम में 2 महिला सदस्य भी शामिल है। इस विशेष अभियान के तहत महिला सदस्य घर-घर अवैध हीटर का उपयोग के संबंध में जांच की जायेगी। टीम द्वारा कार्यवाही के दौरान वीडिया बनाते हुये कार्यवाही की जायेगी।

मुख्यमंत्री जी की ऐतिहासिक ऋण माफी योजना किसानों के लिए लाभकारी

श्योपुर। मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ द्वारा मुख्यमंत्री जी का पदभार संभालने के बाद प्रदेश के किसानों के लिए लागू की गई अल्पकालीन फसल ऋण के रूप में किसानों के रूपए 2 लाख तक की सीमा के 31 मार्च 2018 की स्थिति में बकाया फसल ऋण माफ करने का निर्णय किसानों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होगा। श्योपुर तहसील के ग्राम प्रेमपुरा हवेली निवासी गुरूदीप सिंह अपनी खेती करते हुए विगत तीन वर्ष से परेशान थे। उनके द्वारा केसीसी के माध्यम से ऋण लेकर उन्नत किश्म की खेती की दिशा में प्रयास किए थे। जब उनको पता चला कि मप्र के मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ द्वारा किसानों के हित में ऋण माफी योजना शुरू की है तब वे प्रफुल्लित होकर और किसानों को समझा रहे थे कि मप्र के नए मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में शीघ्र फेसला लेकर ऋण माफी योजना शुरू की है। जिसका लाभ मप्र के किसानों के साथ श्योपुर जिले के किसानों को भी मिलेगा। गुरूदीप सिंह मेहनत से कभी पीछे नहीं हटे। उनकी खेती से हो रही आय से अपने परिवार की गाड़ी चलाने में सक्षम महसूस कर रहे थे। साथ ही उनको कर्जा माफी की चिंता सता रही थी। मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणा से उनके चेहरे की मुस्कान लौट आई। ग्राम प्रेमपुरा हवेली निवासी कृषक श्री गुरूदीप सिंह ने बताया कि कर्जा माफी मिलने से मैं अपनी पोती की शादी आसानी से करने में सहायक बनूंगा। उन्होंने कहा कि नई सरकार हम किसानों के लिए वरदान लेकर आई है। इस सरकार ने किसानों की झोली भरने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। गुरूदीप कहते हैं कि प्रदेश में नई सरकार बनी और मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही श्री कमलनाथ ने जब कर्जा माफी का ऐलान किया तो मुझे एक बारगी भरोसा ही नहीं हुआ। जब गाँव की प्राथमिक सहकारी समिति के प्रबंधक ने बताया कि सच में सरकार ने 2 लाख तक का कृषि ऋण माफ कर दिया है। तब जाकर हमें भरोसा हुआ। गुरूदीप अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं कि हमारे तो अब सारे ही काम बन गए। पोती की शादी धूमधाम से की जावेगी। साथ ही घर के खर्चा भी आसान हो जावेगा। नई सरकार द्वारा किए गए कृषि ऋण माफी के ऐलान की चर्चा श्योपुर जिले के गाँव-गाँव में फेल गई है। गुरूदीप सिंह ने कहा कि मैने भी नई सरकार की ऋण माफी की सराहना गांव-गांव को किसानों को बताई है। जिससे आस-पास क्षेत्र के किसानों में उम्मीद की नई लहर जाग उठी है।

बैंकर्स समिति की बैठक में 1849.15 करोड़ की कार्य योजना पुस्तिका का विमोचन

श्योपुर। कलेक्टर श्री सौरभ कुमार सुमन के निर्देशन में मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश शुक्ल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक जिला पंचायत के सभागार में गत् दिवस आयोजित की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा आगामी वितीय वर्ष के लिए प्राथमिक क्षेत्र हेतु 1849.15 करोड की संभाव्यता युक्त ऋण योजना पुस्तिका का विमोचन किया गया बैठक में जिला विकास प्रवधंक नाबार्ड श्री राजा जी अय्यर, नागार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री मुरलीधर पूर्ति, अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न बैंको के जिला समन्वयक, बैंकर्स,विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश शुक्ल ने बैठक में बताया कि तैयार की गई ऋण योजना में फसल ऋण, कृषि और संबद्ध गतिविधियो के लिए सावधि ऋण तथा कृषि अधोसंरचना और अनुसंगी गतिविधियो को कुल मिलाकर कृषि के लिए संभावित ऋण रू 1418.44 करोड है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्दयम हेतु रू 275.52 करोड के साथ निर्यात क्रेडिट, शिक्षा, आवास, सामाजिक अधोसंरचना एवं अन्य ऋण रू 155.19 करोड की संभाव्यता का आकलन किया गया है। उन्होने कहा कि यह कार्य ऋण नाबार्ड द्वारा तैयार की गई है जो सराहनीय है।उन्होने बैंकर्स और विभागीय अधिकारियो को योजना के अनुसार लक्ष्य पूर्ति करने के दिशा निर्देश दिये। नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक, ने बताया की संभाव्यतायुक्त ऋण योजना दस्तावेज में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध भौतिक संभाव्यता का बैंक ऋण के माध्यम से दोहन की संभावना का आकलन किया जाता है। इस सभ्यसंव्यता आकलन के दौरान जिले में वर्तमान में उपलब्ध अधोसंरचना, संभाव्यता के पूर्ण दोहन के लिए अपेक्षित अतिरिक्त अधोसरंचना, पिछले वर्षो के रूझान और आगामी वर्ष मे संभावित अन्य परिवर्तनो को ध्यान मे रखा जाता है। भारत सरकार, राज्य सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की नीतियो और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2019-20 के संभाव्यता युक्त ऋण योजना मे सधारणीय कृषि पद्धितयो को नीतिगत पहल नामक अध्याय के एक हिस्से के रूप मे शामिल किया गया है। इस वर्ष की पीएलपी मे प्रमुख महत्व वाले क्षेत्र तथा किसानो की आय दोगुनी करना, जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण और कौशल भारत योजना पर विशेष जोर दिया गया है। अग्रणी बैंक प्रबंधक, श्री मुरलीधर पूर्ति ने बताया की इस संभाव्यता युक्त ऋण योजना के आधार पर अग्रणी बैंक द्वारा अगले वित्तीय वर्ष के लिए जिले का वार्षिक क्रेडिट प्लान आरबीआई के लीड बैंक स्कीम के तहत बनाई जाएगी।

बच्चों का मनोबल बढ़ाकर उन्हे उत्साहित करें: गुप्ता

शिवपुरी । शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को अपनी रुचि और पंसद के अनुसार काम करने का निणहय लेने दें। ऐसा न हो कि बच्चे की रुचि इंजीनियरिंग करने की है और आप उसे डा. बनने के लिए प्रेरित कर रहे हों तो ऐसा नहीं होना चाहिए। बच्चे की जिस क्षेत्र और विषय में उसकी रुचि है उसके लिए ही प्रोत्साहित करें। बच्चों पर अपनी मनमर्जी न थोंपे बल्कि उनकी रूचि के अनुरूप उनका उत्साह वर्धन करें, जिससे बच्चे अपने पंसद के क्षेत्र और विषय में बेहतर से बेहतरपरिणाम ला सकेंगे। जबकि होता यह है कि बच्चे की रुचि किसी और क्षेत्र में होती है और अभिभावक उसकी मर्जी के विपरीत अपनी पंसद और इच्छा थोप देते हैं, जिससे बच्चे का मनोबल तो टूट ही जाता है और बच्चा अधिक रूचि के साथ थोपे गए कार्य का परिणाम अच्छा नहीं दे पाता है। उक्त विचार अतिरिक्त जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी और सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक ब्रहमेन्द्र गुप्ता ने पोहरी बाइपास स्थित एक निजी होटल में आयोजित राजेन्द्र मेमोरियल हायर सेकेड्री के वार्षिक उत्सव समारोह में मुख्य अतिथि की हैसियत से व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बीआरसीसी अंगद सिंह तोमर ने कहा कि विद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में छात्र-छात्राओं ने गुरुजनों के मार्गदर्शन में अच्छे परिणाम देकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा बालमेला भी लगाया गया जिसमें बच्चों ने अपनी-अपनी पंसद की दुकानें लगाई और दुकानों पर अभिभावकों ने खरीददारी कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। वार्षिक उत्सव की शुरूआत दोपहर सरस्वती वंदना से हुई जिसमें निकिता शर्मा, गुंजन शर्मा ने अपनी सुमधुर वाणी से मां वीणा-वादिनी का वंदन किया। वहीं स्वागत गीत रौनक शर्मा, निकिता शर्मा और निशा सोनी ने प्रस्तुत किया। मंचासीन अतिथियों का स्वागत स्कूल संचालक राजकुमार शर्मा ने किया। इसके बाद स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिन्हें अभिभावक सहित उपस्थित जनों ने बहुत सराहा। वार्षिक उत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से गणेश वंदना में ओ माय फ्रेण्ड गणेशा....मेरे पापा....सोलोडांस.....बापू साँग....राजस्थानी लोकनृत्य के अलावा देशभक्ति से ओतप्रोत ऐ वतन ऐ वतन ....कहते है सब हमको इंडिया वाले ....फिल्मी नृत्य ओम शांति ओम....भगवान भोलेनाथ का तांडव नृत्य की शानदार प्रस्तुति विनीत शर्मा एवं ग्रुप द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा नारी शक्ति से ओतप्रोत दहेज प्रथा पर नाटक की प्रस्तुति सभी के द्वारा सराही गई। हॉरर डांस , आसपास है खुदा के अलावा रौनक शर्मा द्वारा प्रस्तुत मोर पनघट नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहा। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के शिक्षक देवेन्द्र पाठक ने किया और आभार प्रदर्शन स्कूल संचालक राजकुमार शर्मा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बीआरसीसी अंगद सिंह तोमर, डा. बनवारी लाल शर्मा, स्कूल शिक्षिका अनसुइहया शर्मा, शैलजा चंदेल, सीमा शर्मा, ज्योतिशर्मा, शिक्षक महेन्द्र शर्मा का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के संचालक के अलावा विद्यालय के छात्र-छात्राएं काफी संख्या में मौजूद थे।

मिट्टी की खदान धंसकी दबने से महिला की मौत

शिवपुरी । जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के सेंवड़ीकलां गांव में मिटटी की खदान धंसक गई। मिट्टी के नीचे दबने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक प्रेम बाई (40) पत्नी शिवचरण प्रजापति निवासी सेंवड़ीकलां मिट्टी की खदान पर मिट्टी लेने गई थी। दोपहर करीब 2.30 बजे सफेद पोतनी मिट्टी निकालते समय खदान धंसक गई। मिट्टी के नीचे दबने से प्रेमबाई की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, पीएम कराकर मर्ग कायम कर लिया।

कार्यालस नगर पालिका परिषद गोहद जिला भिण्ड (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/नामान्तरण/2018 गोहद दिनांक 18.12.2018

सावर्जनिक सूचना बावत् नामांतरण

सर्व साधारण की जानकारी के लिए एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि निम्न लिखित आवेदकों के आवेदन बावत् नामांतरण भवन/भूमि स्वामित्व व अधिपत्य प्राप्त होकर नगर पालिका अभिलेखों के नाम परिवर्तन बावत् विचाराधीन है। जिस किसी को इस बावत् कोई आपत्ति हो तो वह सूचना जारी दिनांक से अंदर म्याद 30 दिवस अपनी लिखित उजदारी संबंधित अभिलेखों व स्वामित्व प्रमाणों सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

क्रं	प्रक्र	नाम आवेदक व पता	जिसके बजाय नामान्तरण चाहा गया है।	वार्ड क्रं/ गली मोहल्ला का नाम जहॉ पर भवन /भू-खण्ड स्थिति है।	स्वामित्व के प्रमाण जिसके आधार पर नामान्तरण चाहा गया है।	विवरण भवन/ भूमि
1.	2	3	4	5	6	7
1	123 x 3 2018 11	नाथूराम पुत्र श्री मूलचन्द्र संयज कुमार, मनीष कुमार नाबालिक पुत्रगण नाथूराम	छोटेलाल पुत्र श्री मोतीराम	वार्ड क्र. 17 कीरतपुरा गोहद रोड	रजिस्ट्री के आधार पर और डायवर्सन की रसीद	कृषि
2	124 x 3 2018 11	हरेश कुमार गांगिल पुत्रश्री विद्याराम गांगिल	हरीश चन्द्र पुत्रश्री नारायण दास	वार्ड क्र. 07 इटायली गोहद रोड	रजिस्ट्री के आधार पर और डायवर्सन की रसीद	कृषि
3	125 x 3 2018 11	श्रीमती जनदेवी पत्नि रामदास, जाटव	राजेश कुमार पुत्र श्री लखपति जाटव	वार्ड क्र. 04 गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भूमि
4	126 x 3 2018 11	केदारनाथ पुत्र श्री रामरतन, सुरेश पुत्र श्री रामरतन, अनिल कुमार पुत्र श्री रामसेवक महादेवी पुत्री विद्याराम, शिम्माबाई पत्नि महादेव प्रसाद, एवं संतोष पुत्र श्री महादेव प्रसाद निवासी हॉल डबरा ग्वालियर	तथा कथित दर्ज इन्द्राज महादेव प्रसाद, विद्याराम पुत्रगण रामरतन निवासी वार्ड क्रं.06 मृतक रामरतन के पोती नामान्तरण उत्तराधिकार के अनुसार वार्ड 06 सदर बाजार	वार्ड क्र. 06 सदर बाजार	सहमति पत्र शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
5	127 x 3 2018 11	उदयवीर पुत्र श्री बेताल सिंह आकाश श्रीवास पुत्रश्री बेताल सिंह	केशव सिंह कुशवाह पुत्र श्री रामस्वरूप	छत्तरपुरा वार्ड 01 गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भूमि
6	128 x 3 2018 11	दिनेश पुत्र श्री तोताराम	अबरार खॉ पुत्र श्री मखमूल खॉ	खटीक मौहल्ला क्र. 4 गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भूमि
7	129 x 3 2018 11	अर्जुन सिंह, परशुराम सिंह नाथूसिंह यादव पुत्र श्री गिरवर सिंह यादव	सुमित सिंह भदौरिया पुत्र श्री निहाल सिंह भदौरिया	वार्ड क्रमांक 12 गोहदी गेट	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
8	130 x 3 2018 11	भास्कर जैन पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार जैन	मीराबाई पत्नि रामसिया	वार्ड क्रमांक 06 कोट का कुंआ	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
9	131 x 3 2018 11	महेश चन्द्र थापक पुत्र श्री नाथूराम थापक	रामनारायण शर्मा पुत्र श्री भगवान स्वरूप शर्मा, लक्ष्मीनारायण शर्मा भरत शर्मा, भगवान स्वरूप शर्मा	वार्ड क्रमांक 06 सदर बाजार गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
10	132 x 3 2018 11	कलियान सिंह, सतीश, देवेन्द्र पुत्र श्री मुन्नीलाल	भोगीराम अग्रवाल पुत्र श्री मुन्नालाल	वार्ड क्रमांक 16 गोहदी	रजिस्ट्री डायवर्सन	भूमि
11	133 x 3 2018 11	विकास गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता	राकेश गुप्ता पुत्र श्री मोतीलाल गुप्ता	वार्ड क्रमांक 15 गोहद	शपथ पत्र	भूमि
12	134 x 3 2018 11	रमेश चन्द्र पाराशर गुप्ता	स्व. जगन्नाथ परासर गुप्ता	वार्ड क्रमांक 03 गंज बाजार गोहद	मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
13	135 x 3 2018 11	पवन कुमार गुप्ता गुप्ता	बैकुण्डी बाई पत्नि श्रीलाल गुप्ता	वार्ड क्रमांक 14 किला रोड गोहद	बसियत नामा मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
14	136 x 3 2018 11	कल्लू खॉ पुत्र श्री बाबू खॉ	बाबू खॉ पुत्र श्री मोती खॉ	वार्ड क्रमांक 11 गोहद	मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
15	137 x 3 2018 11	नीलम गुप्ता पत्नि दिनेश गुप्ता	देवेन्द्र कुम्हार पुत्र श्री हरीदास	वार्ड क्रमांक 15 गोहद	रजिस्ट्री डायवर्सन	भवन
16	138 x 3 2018 11	श्रीमती मंजूदेवी पत्नि विनोद कुमार जैन विपुल कुमार जैन पुत्र श्री विनोद कुमार जैन	मुन्नालाल पुत्र श्री सुल्तान सिंह	वार्ड क्रमांक 15 गोहद	रजिस्ट्री डायवर्सन	भवन
17	139 x 3 2018 11	मानसिंह, गंगाराम पुत्र श्री आशाराम	आशाराम पुत्र श्री रामदयाल	वार्ड क्रमांक 13 गोहदी गेट	मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र	भवन
18	~~140~~ x ~~3~~ 2018 11	धीरेन्द्र सिंह पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह	केशव सिंह पुत्र श्री मोहरसिंह	वार्ड क्रमांक 15 सती बाजार गोहद	मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र	भवन
19	141 x 3 2018 11	वीरेन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र श्री स्व. स्व. पुनीत राम गुप्ता	पुनीत राम गुप्ता पुत्र श्री चुन्नी लाल गुप्ता	वार्ड क्रमांक 15 सती बाजार गोहद	रजिस्ट्री डायवर्सन पत्र	भवन
20	142 x 3 2018 11	कामता प्रसाद पुत्र श्री राम राठौर	मोहर सिंह पुत्र श्री हरविलास राठौर	वार्ड क्रमांक 15 बरथटा गेट गोहद	रजिस्ट्री डायवर्सन पत्र	भवन
21	143 x 3 2018 11	कमलेश पुत्र श्री राजू बाथम	भीकमराम पुत्र श्री प्यारेलाल	बाहिरापुरा वार्ड क्रं. 02	शपथ पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
22	144 x 3 2018 11	नाथू सिंह पुत्र श्री फतेहसिंह	रीना देवी पत्नि राजेश कुमार राठौर	वार्ड क्रं. 05 गोहद	रजिस्ट्री डायवर्सन पत्र	भवन
23	145 x 3 2018 11	ओमी, विशम्बर पुत्र श्री शिवचरन	राजेन्द्र, पवन पुत्र श्री शिवचरन	वार्ड क्रं. 04 खटीक मौहल्ला गोहद	सहमति पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
24	146 x 3 2018 11	शिवचरन पुत्र श्री समौखी	पान खॉ पुत्र श्री ग्यासी खॉ	वार्ड क्रं. 04 खटीक मौहल्ला गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
25	147 x 3 2018 11	विद्याराम पुत्र श्री रामदीन बाथम	रामगोपाल पुत्र श्री रामदीन बाथम	वार्ड क्रं. 02 गोहद	सहमति पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
26	148 x 3 2018 11	बाबूराम पुत्र श्री भोगीराम	अमर सिंह पुत्र श्री भजनलाल	वार्ड क्रं. 08 गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
27	149 x 3 2018 11	सुरेश राठौर पुत्र श्री लटोरी राठौर	कमल पुत्र श्री पन्नालाल	वार्ड क्रं. 10 गोहद बिरखडी दरबाजा	सहमति पत्र	भवन
28	150 x 3 2018 11	अशोक कुमार पुत्र श्री भागीरथ जाटव	भागीरथ जाटव पुत्र श्री अजुन	वार्ड क्रं. 03 गोहद खिडकिया मोहल्ला	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
29	151 x 3 2018 11	नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री नाथूराम किशन देवी पत्नि नरेश सिंह	धर्मेन्द्र सिंह पुत्र श्री माखन सिंह	ग्राम शेरपुर तहसील गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
30	152 x 3 2018 11	दिलीप सिंह पुत्र श्री रामसिंह	लाल बहादुर पुत्र श्री गंधर्वसिंह	बार्ड क्रं. 07 नहर मोहल्ला गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
31	153 x 3 2018 11	रामनरेश, उमेश पुत्र श्री विष्णु प्रजापति	मातादीन पुत्र श्री बेदरी प्रजापति	बार्ड क्रं. 02 गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
32	154 x 3 2018 11	मनीष अग्रवाल पुत्र श्री भरोसी लाल	सुशीला अग्रवाल पत्नि भोगीराम अग्रवाल	बार्ड क्रं. 11 सदर बाजार गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
33	155 x 3 2018 11	मधुसूदन, यशवर्धन पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार, सरपरस्त कृष्ण मुरारी पुत्र श्री छबिराम	रामभरोसी पुत्र श्री रामलखन	बार्ड क्रं. 05 शांति नगर जेल रोह गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
34	156 x 3 2018 11	प्रिन्स अग्रवाल पुत्र श्री ओमप्रकाश	रामगोपाल अग्रवाल पुत्र श्री कृपाराम	बार्ड क्रं. 06 पान वाली गली गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
35	157 x 3 2018 11	सुशीला अग्रवाल पत्नि भोगीराम अग्रवाल	भोगीराम अग्रवाल पुत्र श्री मुन्नालाल अग्रवाल	बार्ड क्रं. 11सदर बाजार गोहद	शपथ पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
36	158 x 3 2018 11	प्रेमनारायण कुशवाह पुत्र श्री जानकी अग्रवाल	करन सिंह पुत्र श्री हरविलास	बार्ड क्रं. 13 गढ़ मोहल्ला गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भूमि
37	159 x 3 2018 11	भरत बंसल पुत्र श्री कैलास नारायण बंसल	कमला देवी बंसल स्व. कैलाश चन्द्र बंसल	बार्ड क्रं. 07 गोहद	मृत्यु प्रमाण रजिस्ट्री विक्रय पत्र	भवन
38	160 x 3 2018 11	हरीशंकर बंसल पुत्र श्री ओमप्रकाश बंसल	ओमप्रकाश बंसल पुत्र श्री लच्छू राम बंसल	गोहद बार्ड क्रं. 07 सदर बाजार भवन 207	मृत्यु प्रमाण पत्र	भवन
38	161 x 3 2018 11	तांतीराम पुत्र श्री सुखलाल छतरपुरा वार्ड क्र. 01	1. महादेव 2. सुखलाल पुत्रगण भोंदूराम छतरपुरा वार्ड क्र.01 गोहर	छतरपुरा वार्ड क्र. 01 गोहद	रजिस्ट्री विक्रय पत्र डायवर्सन	भवन

उप राजस्व निरीक्षक
नगर पालिका परिषद गोहद
जिला भिण्ड मध्यप्रदेश

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद गोहद
जिला भिण्ड मध्यप्रदेश

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गोहद
जिला भिण्ड मध्यप्रदेश

सम्पादकीय

तालमेल अनिवार्य है

ग्वालियर-चम्बल में रोजगार एवं स्वरोजगार जनसंख्या के हिसाब से ऊँट के मुँह में जीरा है। ऐसी स्थिति में जब बेरोजगार परिवार का कोई सदस्य गंभीर बीमार हो जाए/दुर्घटना में गम्भीर घायल हो जाए तो ऐसे परिवार को मात्र सरकारी अस्पताल ही आशा की किरण लेकर आता है। लेकिन आपातकाल में जब दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल समूह के ट्रोमा सेंटर में रात्रि के दौरान भर्ती होता है। तब मरीज की हालत बिगड़ने पर दिल्ली जाने की जरूरत होने पर दिल्ली के सरकारी अस्पतालों एवं जयारोग्य अस्पताल के प्रबंधन के बीच तालमेल न होने के कारण मरीज को जान गवानी पड़ती है।

उपनगर ग्वालियर में स्थित सिविल अस्पताल हजीरा का तो यह हाल है कि यदि दुर्घनाग्रस्त मरीज यदि अस्पताल में दोपहर 01 बजे से शाम 05 बजे तक एवं रात्रि में 07 बजे से लेकर सुबह 07 बजे तक के बीच पहुँचता है तो उसे प्राथमिक उपचार तो मिलता है लेकिन स्थायी उपचार नहीं मिलता है। इस अस्पताल के डॉक्टर समय पर तो नहीं आते हैं लेकिन समय पर जाने के बड़े ही पाबन्द हैं। आपातकाल में एक्सरा एवं अन्य जांच इस समय के दौरान नहीं होती हैं। सिविल अस्पताल हजीरा के एचओडी के पास एडमिन पावर नहीं है ताकि आपातकाल में सम्बंधित विशेषज्ञ डॉक्टर को बुला पाएँ। और न ही अपने वरिष्ठ को सूचित करते हैं। यदि सिविल अस्पतालों, जिला चिकित्सालय मुरार, जयारोग्य चिकित्सालय समूह के अस्पतालों एवं दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के बीच ठीक से तालमेल हो जाए तो लगभग 30 प्रतिशत मरीजों को समय पर सभी प्रकार के समय रहते रोगों का निदान हो सकता है जो कि अकाल मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं। सभी अस्पतालों को सिर्फ इतना काम करना है कि जो बीमारी समझ में नहीं आ रही है तब डॉक्टर को चाहिए कि अपने सीनियर अस्पताल प्रबंधन को बताएँ। और तुरन्त समाधान मिले। चूँकि आज डिजिटल भारत का जमाना है। अन्यथा तालमेल के अभाव में डॉक्टरी पेशा बदनाम हो रहा है। जनता का सरकारी अस्पतालों एवं डॉक्टरों से विश्वास उठता जा रहा है।

दोनों तरफ गांठें

एनडीए की सहयोगी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) गठबंधन से पहले ही निकल चुकी है और उसके नेता उपेंद्र कुशवाहा यूपीए में शामिल होने का संकेत दे चुके हैं। शिवसेना तो सालों से अलग राग अलापती आ रही है। मंगलवार को मुंबई में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार कर उसने एक बार फिर अपनी नाराजगी दिखाई। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर असल पेच फंसा हुआ है। बीजेपी अपनी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी जेडीयू को नाराज नहीं करना चाहती लेकिन इस चक्कर में छोटे पार्टनर परेशान हो गए हैं। हाल के विधानसभा चुनावों में बीजेपी की हार के बाद वे मुखर हुए हैं और कड़ी सौदेबाजी करना चाहते हैं। लेकिन रही बात विपक्ष की तो कांग्रेस के तीन राज्यों में सरकार बना लेने के बाद भी सभी विपक्षी दल उसका नेतृत्व स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इससे मोदी करिश्मे के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी गठजोड़ उभरने की संभावना कमजोर पड़ी है।

लोकसभा चुनाव में अभी थोड़ा वक्त है लेकिन राजनीतिक दलों की तैयारी शुरू हो चुकी है। क्षेत्रीय दलों में खास तौर से अकुलाहट है और वे अपनी पोजिशनिंग में जुट गए हैं। देश के दोनों प्रमुख सियासी गठबंधनों में साफ दिख रही तनातनी का मुख्य कारण यही है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में उथल-पुथल ज्यादा है। मंगलवार को उसकी सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के नेता चिराग पासवान ने एक तरह से चेतावनी ही दे डाली कि अगर समय रहते सीट बंटवारे पर बात नहीं बनी तो गठबंधन को नुकसान हो सकता है। गौरतलब है कि एनडीए की सहयोगी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (आरएलएसपी) गठबंधन से पहले ही निकल चुकी है और उसके नेता उपेंद्र कुशवाहा यूपीए में शामिल होने का संकेत दे चुके हैं। शिवसेना तो सालों से अलग राग अलापती आ रही है। मंगलवार को मुंबई में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार कर उसने एक बार फिर अपनी नाराजगी दिखाई। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर असल पेच फंसा हुआ है। बीजेपी अपनी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी जेडीयू को नाराज नहीं करना चाहती लेकिन इस चक्कर में छोटे पार्टनर परेशान हो गए हैं। हाल के विधानसभा चुनावों में बीजेपी की हार के बाद वे मुखर हुए हैं और कड़ी सौदेबाजी करना चाहते हैं। लेकिन रही बात विपक्ष की तो कांग्रेस के तीन राज्यों में सरकार बना लेने के बाद भी सभी विपक्षी दल उसका नेतृत्व स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इससे मोदी करिश्मे के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी गठजोड़ उभरने की संभावना कमजोर पड़ी है। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के शपथ ग्रहण समारोह से दूरी बनाकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की सुप्रीमो मायावती ने संकेत दे दिया था कि वे कांग्रेस से दूरी बनाकर चलेंगे और बीजेपी के खिलाफ सभी विपक्षी दलों का एक महागठबंधन बनाने के प्रॉजेक्ट का हिस्सा नहीं बनेंगे। कहा जा रहा है कि इन दोनों ने कांग्रेस को किनारे रखकर यूपी के लिए आपस में गठबंधन भी कर लिया है। बीएसपी 39 और एसपी 37 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अजित सिंह की आरएलडी को 2 सीटें दी जा सकती हैं, जबकि कांग्रेस के लिए रायबरेली और अमेठी की सीटें छोड़ दी जाएंगी। अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी की उम्मीदवारी से भी असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि निजी तौर पर कोई राहुल को पीएम कैंडिडेट कह सकता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह गठबंधन की भी राय है। यही स्टैंड वामपंथी दलों का भी है, और उनकी चिर प्रतिद्वंद्वी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भी। देखना है, बीजेपी और कांग्रेस किस हद तक अपने सहयोगियों को एकजुट कर पाती हैं।

निरर्थक सिद्ध हो रही हैं राजनीतिक नियुक्तियां

मंत्रिमंडल के अलावा केंद्र और प्रदेशों में अनेक आयोग व बोर्ड हैं, अकादमियां हैं, संस्कृति-कला पर केंद्रित संस्थाएं हैं, विश्वविद्यालय और वित्तीय संस्थाएं हैं। केंद्र के हाथ में 47 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। केंद्र द्वारा संचालित अनेक ऐसे शैक्षणिक संस्थान हैं, जिनकी हैसियत किसी विश्वविद्यालय जैसी ही है। अनेक शोध संस्थान और अनुसंधान परिषदें हैं। भारतीय संस्कृति अनुसंधान परिषद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, संगीत नाटक अकादमी और फिल्म डिवीजन जैसे संस्कृति और कला के क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिष्ठित संस्थान हैं। प्रकाशन विभाग, नेशनल बुक ट्रस्ट, एनसीईआरटी, साहित्य अकादमी है। कृषि और स्वास्थ्य पर काम करने वाली संस्थाएं हैं। इन सबके प्रमुख पदों पर सरकारें अपने लोगों को नियुक्त करती हैं। मोदी सरकार ने भी यह किया है। इसमें संघ और उससे जुड़े संगठनों के नेताओं की ज्यादा चली है। इनके द्वारा तय किए गए लोग विश्वविद्यालयों में उपकुलपति से लेकर, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, प्रशासक, ऐकडेमिक काउंसिल, सीनेट, प्रफेसर आदि भूमिकाओं में हैं। आयोगों, बोर्डों, संस्थाओं, केंद्रों में अध्यक्षों, निदेशकों और सदस्यों के चेहरे भी वही हैं।

लेखक = अवधेश कुमार

आजकल संघ परिवार में चर्चा है कि प्रधानमंत्री की लोकप्रियता में कमी आ गई है। अगर बीजेपी तीन प्रमुख राज्यों में पराजित हुई तो इसके लिए प्रधानमंत्री, उनके मंत्री, पार्टी अध्यक्ष अमित शाह और प्रदेश सरकारें ही जिम्मेवार हैं। संसदीय लोकतंत्र में ऐसी हर स्थिति में पीएम, सीएम से लेकर मंत्रियों तक को कठघरे में खड़ा किया जाता है। पर क्या कोई चुनावी हार सिर्फ इन्हीं की शिकस्त है? नहीं, अगर सत्तारूढ़ दल हारता है तो इसके लिए पीएम और कैबिनेट के साथ-साथ तमाम सरकारी, अर्ध सरकारी और वे स्वायत्त संगठन जवाबदेह होते हैं, जिन्हें केंद्र सरकार संचालित करती है। सरकार द्वारा इनमें नियुक्त किए गए लोगों की तादाद काफी बड़ी है, लेकिन उनकी ओर हमारा ध्यान ही नहीं जाता। वे सब सरकार का ही हिस्सा हैं और उनमें से ज्यादातर के पास इतने अधिकार, संसाधन, मशीनरी और ऐसे काम हैं, जो सरकार की लोकप्रियता बढ़ाने में भारी योगदान कर सकते हैं।

मंत्रिमंडल के अलावा केंद्र और प्रदेशों में अनेक आयोग व बोर्ड हैं, अकादमियां हैं, संस्कृति-कला पर केंद्रित संस्थाएं हैं, विश्वविद्यालय और वित्तीय संस्थाएं हैं। केंद्र के हाथ में 47 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। केंद्र द्वारा संचालित अनेक ऐसे शैक्षणिक संस्थान हैं, जिनकी हैसियत किसी विश्वविद्यालय जैसी ही है। अनेक शोध संस्थान और अनुसंधान परिषदें हैं। भारतीय संस्कृति अनुसंधान परिषद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, संगीत नाटक अकादमी और फिल्म डिवीजन जैसे संस्कृति और कला के क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिष्ठित संस्थान हैं। प्रकाशन विभाग, नेशनल बुक ट्रस्ट, एनसीईआरटी, साहित्य अकादमी है। कृषि और स्वास्थ्य पर काम करने वाली संस्थाएं हैं। इन सबके प्रमुख पदों पर सरकारें अपने लोगों को नियुक्त करती हैं। मोदी सरकार ने भी यह किया है। इसमें संघ और उससे जुड़े संगठनों के नेताओं की ज्यादा चली है। इनके द्वारा तय किए गए लोग विश्वविद्यालयों में उपकुलपति से लेकर, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, प्रशासक, ऐकडेमिक काउंसिल, सीनेट, प्रफेसर आदि भूमिकाओं में हैं। आयोगों, बोर्डों, संस्थाओं, केंद्रों में अध्यक्षों, निदेशकों और सदस्यों के चेहरे भी वही हैं।

सरकार की लोकप्रियता में इजाफा करने या गिराने में इनका बड़ा योगदान होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने कुछ महत्वपूर्ण पदों को छोड़कर इन नियुक्तियों में काफी कम रुचि ली है। संघ की भूमिका इसमें ज्यादा है। संघ के सह सरकार्यवाहक कृष्णगोपाल इसके मुख्य नियंता हैं। हम नहीं कहते कि सारी संस्थाओं की भूमिका सरकार के प्रचार की होनी चाहिए। कई संस्थाओं के अध्यक्ष और सदस्यों को संविधान के तहत शपथ लेनी पड़ती है। उनकी भूमिका की एक मर्यादा है। हालांकि सभी जानते हैं कि वे कौन हैं? प्रधानमंत्री भी संविधान की शपथ लेते हैं। क्या वे पार्टी का प्रचार नहीं करते? मूल बात अपनी जिम्मेदारी समझने और उसके अनुरूप काम करने की है। यदि ये लोग अपनी भूमिका ठीक से निभाएं, जिन लोगों या वर्गों के लिए संस्थाएं बनी हैं उनसे सीधे जुड़े रहें, उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान के कदम उठाएं, ज्यादा संख्या में लोगों को जोड़ें, उनकी सामूहिक सोच के अनुसार बदलाव करते रहें तो सरकार की लोकप्रियता बिना प्रचार के बढ़ेगी।

एक विश्वविद्यालय का कुलपति, कुल सचिव तथा राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्य इतना कुछ कर सकते हैं कि छात्रों का वर्ग यह मानने लगेगा कि हां, सरकार उनका ध्यान रखती है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नियुक्त प्रफेसर ऐसा करते हैं। कला संस्थान खत्म होती कलाओं को प्रोत्साहित करने का जमीनी काम करके सांस्कृतिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। इससे समर्थक अपने-आप बढ़ेंगे। शोध संस्थान अकादमिक क्षेत्र में सोच बदलने का ठोस काम कर सकते हैं। थियेटर, फिल्म, कला, साहित्य आदि ऐसे क्षेत्र हैं जिनके माध्यम से सृजनात्मकता के साथ ही वैचारिकता को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। अगर बड़े अस्पतालों में नियुक्त सलाहकार, अधीक्षक, जनसंपर्क अधिकारी आने वालों के साथ सही व्यवहार करें तो लोग लौटकर सरकार के समर्थक ही बनेंगे।

नेहरू युवा केंद्र की पूरे देश में शाखाएं हैं। उसके पास इतने काम हैं कि वह देश भर में युवाओं की फौज खड़ी कर सकता है। इन युवाओं की बड़ी संख्या सरकार की समर्थक बनेगी। इन सबको मिला दिया जाए तो ऐसा ठोस जनाधार खड़ा हो सकता है जिसको तोड़ना किसी भी दूसरे दल के लिए आसान नहीं होगा। पर ऐसा नहीं हो सका। दुर्भाग्य से जिनकी नियुक्तियां इन पदों पर हुई हैं उनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जिन्हें अपनी जिम्मेदारी का अहसास ही नहीं है। कई अयोग्य लोग भी ऐसे पदों पर बैठ गए हैं। उनके पास न विजन है, न समर्थन विस्तार की चिंता। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बोर्ड में निदेशक बन गए और प्रयास ही नहीं किया कि हमारे समर्थकों को वैध तरीके से ही सही, स्वरोजगार के लिए कर्ज मिल जाए। किसी सार्वजनिक इकाई का निदेशक केवल वेतन और सुविधा पाने तक ही सीमित रहेगा तो सरकार की लोकप्रियता बढ़ेगी कैसे? सरकारी मीडिया संस्थानों में महत्वपूर्ण जगहों पर नियुक्तियां हुई हैं। उनका कोई खास योगदान नहीं रहा।

मूल्यांकन की व्यवस्था

पहले की सरकारों में नाकारा नेताओं या संगठन के प्रमुख लोगों के इर्द-गिर्द रहने वाले चापलूस किस्म के व्यक्तियों को प्रोत्साहन मिलते देखा गया है। दुर्भाग्यवश, मोदी सरकार में भी यही सब हो रहा है। विभिन्न पदों पर बिठाए गए लोगों में वे भी हैं, जो आज संघ और बीजेपी के हैं, लेकिन कल कांग्रेस का हो जाने में उन्हें एक क्षण नहीं लगेगा। ऐसे लोगों के कार्यों का मूल्यांकन करने का कोई तंत्र विकसित नहीं हुआ है। यही हाल वाजपेयी सरकार के समय था और आज भी है। जरूरत ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जिससे इन लोगों का समय-समय पर मूल्यांकन होता रहे। क्या मोदी सरकार समय रहते इस बारे में सचेत हो पाएगी?

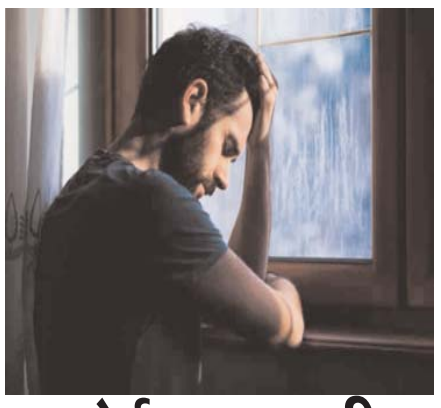

कोई बहुत बड़ी गलती आपने कभी नहीं की है

अगर मैं कहूं कि जिंदगी में मैंने कभी कोई बड़ी गलती नहीं की, तो? आप यकीन नहीं कर पा रहे हैं ना? पर मैं उतने ही यकीन से यह भी कहूंगा कि आपने भी अपनी जिंदगी में आज तक कोई भी बड़ी गलती नहीं की है। हो सकता है, आप अपनी कुछेक गलतियों को बड़ी गलती मानते हों। संभव है, दूसरों के सामने भी आप यह कबूल कर चुके हों कि फलां गलती जिंदगी में आपकी बहुत बड़ी गलती थी। लेकिन जरा बारीकी से गौर कीजिए। आप उस खास गलती के नतीजों के आधार पर उसे बड़ी गलती मान रहे हैं। औरों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दबाव में आपने किसी खास गलती को बड़ी गलती माना है।

अपने आप से न्याय तो आपको करना ही चाहिए। तत्कालीन परिस्थितियों पर फिर से विचार कीजिए। सोचिए, किन हालात में थे आप उस वक्त, क्या मनोदशा थी आपकी उस समय, क्या विकल्प उपलब्ध थे आपके सामने तब? अगर आप वैसा न करते तो क्या करते? ठीक है, जो आपने किया उसे सही नहीं कहा जा सकता, आप भी ऐसा नहीं कह रहे हैं। हो गई भूल। आखिर आप भी तो इंसान ही हैं।

अब आप मेरी बात से काफी हद तक सहमत होंगे। अगर नहीं हैं तो मैं आपसे असहमत हूं। फिर भी, मैं अपनी बात जरा और इतमीनान से रखता हूं। शायद साफ हो जाए। दरअसल, मेरा यह अनुभव है जिंदगी में कि मैं कहीं भी, किसी भी जगह पर झटके में नहीं पहुंचा। कामयाबी की जो भी थोड़ी-बहुत ऊंचाई तय कर पाया, एक-एक कदम बढ़ते हुए किया। ऐसे ही नाकामी की ढलान पर उतरते हुए भी धीरे-धीरे ही नीचे आया। तो सही-गलत जो भी फैसले किए, वे जिस सीढ़ी पर उस वक्त मैं था, वहां से दुनिया को देखते हुए जो सोच मेरी बन रही थी और उस सोच की वजह से जो विकल्प मुझे दिख रहे थे, उन्हीं के आधार पर किए। उपलब्ध विकल्पों में से एक को चुनना कोई बहुत आसान नहीं रहा कभी। बहुत अच्छा और बहुत बुरा विकल्प कभी मिला नहीं। सही और थोड़ा कम सही, गलत और थोड़ा कम गलत- ऐसे ही विकल्प रहते थे हमेशा। इसीलिए चुनने में जरा सी ही गलती हुई, जब भी हुई। नतीजे भले ही भयंकर दिए हों, पर गलती जरा सी ही थी।

तो मैं मानता हूं कि कोई बड़ी गलती मैंने नहीं की, और आपने भी नहीं की। अगर आप ऐसा नहीं मानते तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर मेरी बात से इत्तफाक रखते हैं तो साहब एक गलती कभी न करें जिंदगी में। किसी को भी कभी बहुत ज्यादा गलत न मानें। संदेह का लाभ न सही, सुधार का मौका भी न दिया जा सके, इतना गलत कोई नहीं होता। कभी नहीं।

।।..कैलेंडर .।।

दरवाजे की घंटी बजने पर उमेश ने दरवाजा खोला।दरवाजा खोलते ही उमेश ने देखा उसका बडा बेटा शाम को अपनी नौकरी से वापस आ गया है।उमेश ने अंदर जाकर बेटे को चाय बना कर दी।उमेश की पत्नी का देहांत लगभग 20 वर्ष पूर्व हो गया था।

उस समय उसके दोनों बच्चे छोटे थे।आज उमेश बहुत खुश है क्योंकि उसके बच्चे आज बहुत अच्छी जॉब पर बड़ी-बड़ी कंपनियो में लग गए हैं और अब उसकी जीवन भर की मेहनत सफल हो गई है।

अपनी युवावस्था में उमेश एक कंपनी में मजदूर का काम किया करता था और बड़ी मेहनत से दोनों बच्चों को पढ़ाता था। पत्नी के देहांत के बाद तो उसके लिए बड़ा ही मुश्किल हो गया था।लेकिन जैसे तैसे उसने अपने दोनों बच्चों को बड़ी मेहनत और ईमानदारी से पढ़ाया।इतने वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद आज वो काफी अच्छा महसूस कर रहा था। छोटा बेटा भी कुछ समय बाद ऑफिस से आ गया तीनों बाप बेटे साथ बैठकर अब खाना खाने की तैयारी कर रहे थे कि अचानक दीवार पर टंगे कैलेंडर पर उमेश की नजर गई । कैलेंडर को देखकर उमेश का मन परेशान सा हो गया और उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि यह तो वर्ष 2018 का दिसंबर माह है,फिर ये कैलेंडर 2028 का क्यों दिखाई दे रहा है। उसे यह समझ में नहीं आ रहा था कि 2028 का दिसंबर माह कैलेंडर क्यों दिखा रहा है।

अभी उमेश इसी असमंजस में था कि अचानक एक मासूम सी आवाज उसके कानों में पड़ी,पापा उठ जाओ सुबह हो गई हमें स्कूल के लिए तैयार कर दो।

अचानक बेटे के उठाने पर उमेश की नींद खुल गयी और उमेश का सपना टूट गया।अक्सर ऐसे ही छोटे छोटे सपने हर व्यक्ति अपने जीवन में हमेशा देखता है और कल्पना करता है कि शायद वह कभी ना कभी पूरे होंगे।

उमेश के समान कभी ना कभी हर व्यक्ति को इस तरीके के सपने आते ही है।जब वो अपने भविष्य को लेकर कुछ ना कुछ ऐसा देखते है।

खैर कोई नहीं उमेश एक बार फिर हंसते हुए अपने जीवन में आगे बढ़ा और दोनों बच्चों को तैयार करके भविष्य की अच्छी कल्पना के साथ उन्हें स्कूल के लिए भेज कर फिर अपने ऑफिस के लिए चल पड़ा।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश).
मोबाइल 09582488698
65/5 लाल क्वार्टर राणा प्रताप स्कूल के सामने
ग़ाज़ियाबाद उत्तर प्रदेश 201001

कृषि वैज्ञानिक बनकर दें देश के विकास में योगदान

अब कृषि क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें भी रोजगार की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इस क्षेत्र में नई तकनीक के इस्तेमाल के बाद वेतन भी तेजी से बढ़ा है। इसलिए अब युवाओं के लिए यह भी पसंदीदा क्षेत्र बनकर उभरा है।

आधुनिकता के इस दौर में कृषि के प्रति युवाओं का आना भविष्य के लिए एक अच्छा संकेत भी है।

अगर आप भी कृषि अनुसंधान के क्षेत्र से जुड़कर कृषि वैज्ञानिक या फिर एक बेहतर किसान बनना चाहते हैं तो फिर इसके लिए आपको 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से पास कर बीएससी एग्रीकल्चर या फिर बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स की डिग्री हासिल करनी होगी। यह डिग्री एग्रीकल्चर, वेटनेरी साइंस, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, फॉरेस्टरी, हॉर्टीकल्चर, फूड साइंस और होम साइंस में से किसी भी एक विषय में ले सकते हैं। अपनी पढ़ाई पूरी करके आप सीधे खेती और इससे संबंधित गतिविधियों से जुड़कर कृषि क्षेत्र में देश के विकास में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

कृषि क्षेत्र में करियर की संभावनाएं

आज भी भारत की करीब 70 फीसदी जनसंख्या जीविका के लिए पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में पढ़े लिखे किसानों की सख्त जरूरत है।कृषि क्षेत्र में आप मार्केटिंग, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग या मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना सुनहरा करियर बना सकते हैं।

इसके अलावा आप नेशनेलाइज्ड बैंकों में बतौर कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण विकास अधिकारी, फील्ड ऑफिसर बनकर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।इसके साथ ही राज्यों के विभिन्न कृषि विभागों में आपके लिए रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश पाने के लिए युवाओं के बीच मची होड़ से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन युवाओं के सिर पर कृषि क्षेत्र में करियर का जुनून किस कदर हावी है।

इन संस्थानों से ले सकते हैं प्रशिक्षण

अगर आप भी कृषि क्षेत्र में करियर तलाश रहे हैं तो इसके लिए बेहतरीन संस्थानों के बारे में जानकारी भी हासिल कर लें।

आप हैदराबाद, पुणे, ग्वालियर, इंदौर और पालमपुर स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण ले सकते हैं।

कोलकाता और भुवनेश्वर के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से भी आप डिग्री हासिल कर सकते हैं।

उदयपुर के राजस्थान एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी में कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण के साथ डिग्री भी पा सकते हैं।

इलाहाबाद स्थित इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षण लेकर आप कृषि क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

अलीगढ़ विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एग्रीकल्चर में दाखिला लेकर आप कृषि क्षेत्र की बारीकियों को समझ सकते हैं।

लिखावट पढ़ने में माहिर हैं तो बनें हैंडराइटिंग विशेषज्ञ

अगर आप लिखावट से किसी के बार में जान सकते हैं तो आप हैंडराइटिंग विशेषज्ञ बन सकते हैं। हैंडराइटिंग विशेषज्ञ किसी की लिखावट पढ़कर ही उसके व्यक्तित्व के बारे में बता सकता है।

इसका मुख्य काम लोगों की लिखावट को पहचान कर व समझ कर उस व्यक्ति के व्यक्तित्व का आंकलन करना होता है। वह अपने काम के दौरान बेहद बारीकी से किसी व्यक्ति की लिखावट का अध्ययन करता है। वह न सिर्फ व्यक्ति के हस्ताक्षर, बल्कि उसके लिखने के स्टाइल, शब्दों को बनाने का तरीका व शब्दों के बीच अंतर आदि जैसी छोटी बातों को भी ध्यान में रखता है और उस व्यक्ति के बारे में वह सब जानकारी मुहैया कराता है, जिसे आसानी से पता लगा पाना लगभग असंभव होता है।

स्किल्स : एक बेहतरीन हैंडराइटिंग विशेषज्ञ बनने के लिए व्यक्ति का अपने काम में माहिर होना बेहद आवश्यक है। साथ ही उसके भीतर साइकोलॉजिकल सेंस भी होनी जरूरी है। इसके अतिरिक्त अपने काम की बारीकियों को सीखने में अच्छी कम्युनिकेशन स्किल, इंटेलिजेंस व छोटी से छोटी बात को नोटिस करने की क्षमता व लोगों का आंकलन करना आना चाहिए।

योग्यता : इस क्षेत्र में कदम बढ़ाने के लिए यूं तो अलग से कोई पेशेवर कोर्स उपलब्ध नहीं है। यह विधा फोरेंसिक साइंस के भीतर ही सिखाई जाती है लेकिन आजकल इनकी बढ़ती मांग को देखते हुए बहुत से संस्थानों में हैंडराइटिंग विधा को सिखाने के लिए शॉर्ट टर्म व डिप्लोमा कोर्स करवाया जाता है। इन कोर्स के माध्यम से आप हैंडराइटिंग की बारीकी को आसानी से सीख सकते हैं।

अवसर

हैंडराइटिंग विशेषज्ञ के लिए काम की कोई कमी नहीं है। सबसे पहले तो कॉरपोरेट सर्विसेज में सेवाएं ली जाती हैं ताकि वह कंपनी के लिए एक सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति की पहचान कर सकें। इसके अतिरिक्त फोरेंसिक डिपार्टमेंट में मामलों को सुलझाने में भी इनकी अहम भूमिका होती है। वहीं कोर्ट, पुलिस डिपार्टमेंट, स्कूल्स, कॅरियर गाइडेंस सेक्टर यहां तक कि सही लाइफ पार्टनर चुनने में भी काफी हद तक सहायक होते हैं क्योंकि वह अपने स्किल्स का प्रयोग करके व्यक्ति स्वभाव व उसके व्यक्तित्व के बारे में गहराई से पता लगा सकते हैं।

आमदनी : एक हैंडराइटिंग विशेषज्ञ की आमदनी मुख्य रूप से उसके स्किल्स पर निर्भर करती है। अगर आप अपने काम में अभ्यस्त हैं तो आप प्रतिघंटे 500 रूपए तक कमा सकते हैं। इसके अतिरिक्त शुरूआती दौर में ही 20000 से 40000 रूपए प्रतिमाह की आमदनी कर सकता है।

प्रमुख संस्थान जहां से कर सकते हैं कोर्स
हैंडराइटिंग एनालिस्ट ऑफ इंडिया, विशाखापट्टनम
इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडराइटिंग रिसर्च, मुंबई
वर्ल्ड स्कूल ऑफ हैंडराइटिंग, मुंबई
हैंडराइटिंग इंस्टीट्यूट इंडिया, बैंगलोर ।

12वीं पास के लिए भारतीय नौसेना में अवसर

अगर आप साहसिक हैं और सेना में जाकर देश की रक्षा करना चाहते हैं तो भारतीय नौसेना में आपके लिए अवसर हैं। भारतीय नौसेना में नाविक के कुल 2500 पदों के लिए भर्तियां होने जा रही हैं। इसमें आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 30 दिसंबर तय की गई है। इसमें चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा के आधार पर होगा। साथ ही शारीरिक परीक्षा परीक्षण (पीएफटी) और मेडिकल परीक्षा में फिटनेस के अधीन उम्मीदवार का चयन किया जाएगा।

इसमें ऑनलाइन आवेदन जमा करने की तिथि 30 दिसंबर तक है। इच्छुक उम्मीदवार इंडियन नेवी डॉट इन पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

वेतनमान= 21,700-69,100 रुपए

भेल में आर्टिसन्स के लिए आवेदन करें दसवीं पास

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), तिरुचिरापल्ली ने आर्टिसन्स पद पर कुल 71 रिक्तियां निकाली हैं। ये नियुक्तियां वेल्डर, फिटर और मशीनिस्ट ट्रेड के लिए की जाएंगी। कंपनी ने इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 20 दिसंबर 2018 तक आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।आवेदन से जु?ी अन्य जानकारियां=.आर्टिसन्स, कुल पद = 71

(ट्रेड के आधार पर रिक्तियों का वर्गीकरण)

वेल्डर, पद = 26.

फिटर, पद = 38.

मशीनिस्ट, पद = 07।

योग्यता

मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से दसवीं की परीक्षा पास की हो।

साथ ही संबंधित ट्रेड में नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट (एनटीसी) प्राप्त किया हो।

संबंधित ट्रेड में नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट (एनएसी) प्राप्त किया हो।

मासिक वेतन = 34,300 रुपये।

अधिकतम आयु

01 नवंबर 2018 को 32 वर्ष। इस आयु सीमा में एससी आवेदकों को पांच वर्ष, ओबीसी को तीन वर्ष और दिव्यांगों को दस वर्ष की राहत होगी।

चयन प्रक्रिया.

उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा और स्किल टेस्ट के आधार पर होगा। परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगी। इसमें कुल 120 सवाल शामिल होंगे।

प्रश्नपत्र हल करने के लिए डे? घंटे (90 मिनट) का समय मिलेगा। प्रत्येक सही जवाब के लिए एक अंक दिया जाएगा। जबकि प्रत्येक गलत जवाब पर एक चौथाई अंक काट लिया जाएगा।

एक से ज्यादा विकल्पों पर टिक मार्क गलत माना जाएगा और एक चौथाई अंक काट लिया जाएगा। इसलिए केवल एक ही विकल्प पर टिक मार्क करें। परीक्षा और स्किल टेस्ट का आयोजन तिरुचिरापल्ली में किया जाएगा।

आवेदन प्रक्रिया

भेल की वेबसाइट पर लॉगइन करें। यहां होमपेज पर दिए गए करंट ओपनिंग लिंक पर क्लिक करें।

इस तरह आपको वेबपेज पर करंट ओपनिंग सेक्शन नजर आएगा।

इसके बाद वेबपेज खुलेगा। यहां मौजूद एडवर्टाइजमेंट इंग्लिश/हिंदी लिंक पर क्लिक करें।

ऐसा करने पर पद संबंधित विज्ञापन खुल जाएगा। इसमें दी गई जानकारियां ध्यान से पढ़ें और अपनी योग्यता जांच लें।

अब रिक्रूटमेंट वेबपेज पर दिए गए अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद आवेदन फॉर्म खुल जाएगा। इसमें मांगी गई सभी जानकारियां सावधानी से दर्ज करें।

फिर अंत में फॉर्म को जांचकर सब्मिट एप्लीकेशन बटन पर क्लिक कर दें। इसके बाद अपनी पासपोर्ट साइज फोटो (अधिकतम 500 केबी) और सिग्नेचर (अधिकतम 250 केबी) स्कैन करके अपलोड करें।

साथ ही अन्य दस्तावेजों को भी स्कैन करके अपलोड करें। फिर सब्मिट डॉक्यूमेंट्स बटन पर क्लिक कर दें। इसके बाद आप शुल्क भुगतान के वेबपेज पर चले जाएंगे। अब अपने शुल्क का भुगतान करें।

भुगतान करने के बाद आपका आवेदन सब्मिट हो जाएगा। आवेदन का प्रिंटआउट निकाल लें और अपने पास सुरक्षित रख लें।

इंटरव्यू में लेकर जाएं ये सभी दस्तावेज
जन्मतिथि प्रमाणित करने के लिए दसवीं की मार्कशीट
नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट और मार्कशीट
नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट और मार्कशीट
अनुभव संबंधित प्रमाणपत्र
जाति प्रमाणित करने वाले दस्तावेज
अगर दिव्यांग हैं तो उसका सर्टिफिकेट

बीएससी हिन्दी माध्यम के छात्रों के लिए विशेष कोर्स

हिन्दी भाषी या हिन्दी मीडियम से बीएससी कर रहे छात्रों को अब अच्छी पुस्तकों की कमी नहीं खलेगी। इन छात्रों के लिए ऑनलाइन वीडियो कोर्स शुरू हो गया है। हिन्दी में यह ऑनलाइन वीडियो आईआईटी और गैर सरकारी संस्था %शिक्षा सोपान% ने तैयार किया है। इस क्रम में पहला कोर्स स्वयं सापेक्षिकता के मूल सिद्धांत (बेसिक्स ऑफ स्पेशल थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी) पर तैयार किया गया है। 25 लेक्चरों के इस कोर्स में देश के सभी हिन्दी भाषी छात्र व शिक्षक पंजीकरण करा सकते हैं।

कोर्स की खास बातें : छात्र इंटरनेट सुविधा वाले मोबाइल, लैपटॉप और कम्प्यूटर के माध्यम से यह कोर्स कर सकते हैं।

हर मंगलवार, गुरुवार व शनिवार को लेक्चर अपलोड होगा।

कोर्स के दौरान प्रतिभागी अपने सवाल पूछ सकेंगे जिनके जवाब कोर्स के शिक्षक या अन्य प्रतिभागी देंगे।

कोर्स के बीच बहुविकल्पीय प्रश्न आधारित टेस्ट होंगे, सीडीटीई, आईआईटी, कानपुर सर्टिफिकेट देगा।

कोर्स के लिए किसी तरह का कोई शुल्क नहीं है। कुछ सफल प्रतिभागियों को विशेष शिविरों में बुलाया जाएगा।

एसबीआई में डिप्टी मैनेजर बनें

अगर आप बैंकिंग क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपके पास स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में अच्छा अवसर है। एसबीआइ ने डिप्टी मैनेजर के पद के लिए आवेदन मांगे हैं। कुल 39 पदों पर भर्तियां होनी हैं। भर्तियां ग्रेड एमएमजीएस-द्वद्ध के लिए होनी हैं। इच्छुक उम्मीदवार इन पदों के लिए एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तारीख 28 दिसंबर 2018 है। इसके बाद रजिस?ट्रेशन की लाइनें बंद कर दी जाएंगी।

इच्छुक उम्मीदवारों के पास चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) की डिग्री होना आवश?यक है। यह डिग्री इंस?टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंअ ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) से मान?यता प्राप?त होनी चाहिए। आवेदन करने के इच?छुक आवेदकों की उम्र 21 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। पब्लिक सेक?टर बैंक की ओर से 39 पोस?ट के लिए आवेदन किए गए हैं। उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन टेस्ट के अलावा लिखित टेस्ट और साझात्कार के आधार पर किया जाएगा। ऑनलाइन टेस्ट के लिए 5 जनवरी और लिखित परीक्षा के लिए 27 जनवरी की डेट निर्धारित कई गई है। इसके अलावा जो उम्मीदवार परीक्षा में पास होंगे, उन्हें 12 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद उन्हें उनकी ब्रांच में भेजा जाएगा।

ऐसे करें आवेदन

एसबीआइ की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

होमपेज पर सेक्शन लेटेस्ट एनाउंसमेंट पर जाएं और %अप्लाई ऑनलाइन% पर क्लिक करें।

सबसे पहले एडवर्टाइजमेंट लिंक पर क्लिक करें। यहां दी गई पद संबंधित जानकारियां पढ़ें।

फिर अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें। क्लिक करते ही नया पेज ओपन होगा।

नए पेज पर मांगी गई सारी जानकारी को ध्यान से पढ़कर आवेदन प्रकिया पूरी करें।

टाइगर के साथ रोमांस करती नजर आएंगी सारा

मुंबई। सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान अपनी पहली ही फिल्म केदारनाथ से सुर्खियों में आ गई हैं। पहली ही फिल्म में उनकी शानदार एक्टिंग के लिए सराहा जा रहा है। केदारनाथ के बाद जल्द ही उनकी अगली फिल्म सिम्बा भी रिलीज होने वाली हैं। अब सुनने में आ रहा है कि फिल्ममेकर साजिद नडियाडवाला ने अपनी अगली फिल्म बागी 3 के लिए सारा से संपर्क किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हर बार की तरह इस बार भी टाइगर श्रॉफ बागी 3 में लीड रोल करते नजर आएंगे। इस फिल्म में सारा, टाइगर श्रॉफ के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। इस इंस्टालमेंट की पहली दो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही हैं। वहीं इस फिल्म के पहले भाग में टाइगर श्रॉफ के साथ श्रद्धा कपूर नजर आई थीं। वहीं दूसरे भाग में टाइगर की गर्लफ्रेंड दिशा पटानी को देखा गया था। इस फिल्म के लिए फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ने सारा से बात भी की है। लेकिन अब तक इस बात की कोई पुष्टि नहीं की गयी है। इस खबर मे कितनी सच्चाई है यह तो आनेवाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल सारा अपनी आनेवाली फिल्म सिम्बा के प्रमोशन मे व्यस्त है। इस फिल्म में उनके अपोजिट रणवीर सिंह नजर आएंगे।

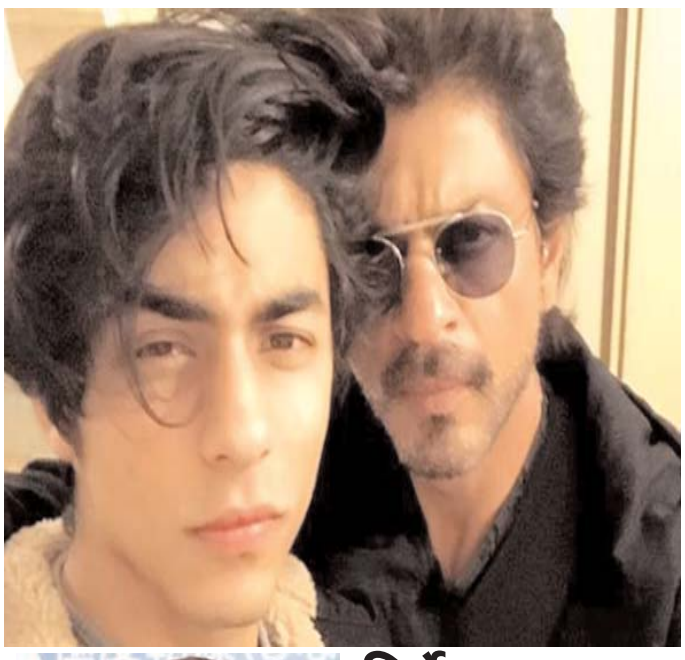

निर्देशक बनना चाहते हैं आर्यन

मुंबई। एक्टर शाहरुख खान इन दिनों अपनी मचअवेटेड फिल्म जीरो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इसमें किंग खान के अपोजिट कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा हैं। हाल ही में शाहरुख मीडिया से मुखातिब हुए जहां उन्होंने अपनी प्रोफेशनल से लेकर पर्सनल लाइफ के बारे में बातचीत की। बातचीत के दौरान शाहरूख खान ने बताया कि उनके बेटे आर्यन अभिनेता नहीं निर्देशक बनना चाहते हैं। शाहरुख खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जीरो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। शाहरुख से उनके बच्चों के कॅरियर को लेकर सवाल पूछे जाते हैं। शाहरुख से उनके बड़े बेटे आर्यन के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर पूछे गये सवाल पर शाहरुख ने कहा आर्यन एक्टर नहीं बनना चाहते। वे फिल्में बनाना चाहते हैं। वे निर्देशक बनना चाहते हैं। शाहरुख ने आगे बताया कि इसके लिए वे यूएस में ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। शाहरूख ने अपने छोटे बेटे अबराम के बारे में कहा, मैं उनके बारे में नहीं बता सकता। वैसे वे इतने खूबसूरत तो है हीं कि रॉकस्टार बन सकें।'

अभी शादी नहीं करना चाहती है परिणीति

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा अभी शादी नही करना चाहती है। परिणीति चोपड़ा की चचेरी बहन प्रियंका चोपड़ा की शादी हाल ही में निक जोनास के साथ हुयी है। प्रियंका चोपड़ा की शादी के बाद परिणीति चोपड़ा की शादी को लेकर इन दिनों चर्चा हो रही है। परिणीति ने कहा है कि वह अभी शादी नहीं करना चाहती है। चर्चा है कि परिणीति चोपड़ा निर्देशक चरित देसाई के साथ शादी कर रही हैं। सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रही है। फोटो में चरित देसाई परिणीति चोपड़ा के पीछे खड़े हैं और इस फोटो में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास और उनके दोस्त भी नज़र आ रहे हैं। इसके बाद से यह कयास लगाये जा रहे थे कि परिणीति जल्द शादी कर सकती है, लेकिन उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है।

शाहरूख के बाद रितेश बनेंगे बौना

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख सिल्वर स्क्रीन पर बौना का किरदार निभाते नजर आयेंगे। शाहरूख खान ने आने वाली फिल्म जीरो में बौना का किरदार निभाया है। शाहरुख के बाद अब रितेश देशमुख भी सिल्वर स्क्रीन पर बौना का किरदार निभाने जा रहे हैं। मिलाप जावेरी की फिल्म मरजावां में रितेश देशमुख एक छोटे कद के शख्स का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं, जिसकी हाइट साढ़े तीन फीट होगी। यह एक हल्की-फुल्की रोमांटिक स्टोरी होगी जिसमें रितेश के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा,तारा सुतारिया और रकुल प्रीत भी खास भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह कहानी एक लव ट्राएंगल बताई जा रही है। यह दूसरा मौका है जब रितेश-सिद्धार्थ की जोड़ी के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले रितेश, सिद्धार्थ और श्रद्धा कपूर के साथ %एक विलन% में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में रितेश नेगेटिव रोल में थे।

औपचारिक शिक्षा सफलता दिलाने का मानक नहीं : इमरान हाशमी

मुंबई। आगामी फिल्म चीट इंडिया में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता इमरान हाशमी का कहना है कि भारत की औपचारिक शिक्षा प्रणाली छोटे बच्चों को दिमाग के विकास के लिए पर्याप्त रूप से अच्छी नहीं है और उनका मानना है कि इस प्रकार की शिक्षा सफलता का आधार नहीं हो सकती। औपचारिक शिक्षा की प्रासंगिकता के बारे में पूछे जाने पर इमरान ने यहां आईएएनएस से कहा, ÷मैं कुछ ऐसे बेवकूफ लोगों को जानता हूं, जिनके पास बेहतरीन औपचारिक शिक्षा है। मैं कुछ ऐसे बुद्धिमान व बेहद समझदार लोगों से भी मिला हूं, जिनके पास बेहतरीन औपचारिक शिक्षा या डिग्री नहीं है। औपचारिक शिक्षा जिंदगी में आपको सफलता दिलाने का मानक नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जो औपचारिक शिक्षा दी जा रही है, यह समय की बर्बादी है। बस सिर्फ इसलिए कि एक बिल्डिंग में कुछ लोगों का एक समूह शिक्षा के एक अलग प्रकार के सोर्स को बढ़ावा दे रहा है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे छात्र बेहतरीन चीजें सीख रहे हैं। सौमिक सेन निर्देशित %चीट इंडिया% अगले महीने 25 जनवरी को रिलीज होगी।

गैरी कर्स्टन, रमन को भारतीय महिला टीम के कोच के लिए चुना गया

मुंबई। भारतीय पुरूष टीम को विश्व कप दिलाने वाले पूर्व कोच गैरी कर्स्टन और पूर्व सलामी बल्लेबाज डब्ल्यूवी रमन के नाम का गुरूवार को साक्षात्कार के बाद महिला टीम के कोच के पद के लिये चयन किया गया। बीसीसीआई की तदर्थ समिति में पूर्व कप्तान कपिल देव, अंशुमन गायकवाड़ और एस रंगास्वामी शामिल थे, जिन्होंने बोर्ड से इन चुने हुए नामों की सिफारिश की। हालांकि कर्स्टन की नियुक्ति में अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी कोच इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ अपना पद छोड़ने को तैयार नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार उन्हें ऐसा करने के लिये मनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस पद के लिये 28 आवेदन मिले थे जिसमें से चुने गये उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिये बुलाया गया। इनमें वेंकटेश प्रसाद, मनोज प्रभाकर, ट्रेंट जानस्टन, दिमित्री मास्करेन्हास, ब्रैड हाग और कल्पना वेंकटाचार शामिल रहे। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार तीन से मिलकर साक्षात्कार लिया गया। वहीं कर्स्टन सहित पांच आवेदकों से स्काइप और एक से फोन पर इंटरव्यू लिया गया। कर्स्टन जब कोच थे, तभी भारतीय पुरूष टीम ने 2011 विश्व कप जीता था। वह 2008 से 2011 तक तीन वर्षों के लिये भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे थे। इसके बाद उन्होंने 2011 से 2013 तक दक्षिण अफ्रीका को कोचिंग दी। वह इस समय इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के मुख्य कोच हैं।

एक और ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना चाहती है बैडमिंटन स्टार कारोलिना मारिन

मुंबई। वह महिला एकल में मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन है लेकिन स्पेन की बैडमिंटन स्टार कारोलिना मारिन ने कहा कि सर्वकालिक

महान खिलाड़ी बनने के लिये उन्हें अभी और हासिल करना होगा। मारिन ने बुधवार को कहा कि वह इतिहास की सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी बनने के लिये एक ओलंपिक स्वर्ण पदक तथा विश्व चैंपियनशिप में कम से कम दो खिताब और जीतना चाहती हैं। प्रीमियर बैडमिंटन लीग में पुणे7एसेस की तरफ से खेलने वाली मारिन ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं इतिहास की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनना चाहती हूं और इसके लिये मुझे एक और ओलंपिक (स्वर्ण पदक) तथा कम से कम दो विश्व चैंपियनशिप जीतनी होंगी। लेकिन मैं इससे खुद को प्रेरित रखती हूं।'

क्रिकेट को कोहली जैसे जज्बाती खिलाड़ियों की है जरूरत: एलेन बॉर्डर

पर्थ। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलेन बार्डर ने विराट कोहली की आक्रामकता का बचाव करते हुए कहा है कि क्रिकेट को उनके जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो मैदान पर जज्बाती रहते हैं। बार्डर ने फाक्स क्रिकेट के पाडकास्ट 'द फालोआन' पर कहा कि हमारे खेल में इस तरह के ज्यादा लोग नहीं है। पेशेवरपन से यह कुछ हद तक कम हो गया है। आस्ट्रेलिया में मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के दौरान आक्रामक जश्न मनाने के लिये माइक हस्सी, मिशेल जानसन और संजय मांजरेकर ने कोहली की निंदा की है। आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन के साथ कोहली की बहस भी हो गई थी।

बार्डर ने कहा कि मैने किसी कप्तान को उसकी टीम के विकेट लेने पर ऐसे जश्न मनाते नहीं देखा। यह जरूरत से ज्यादा है लेकिन अच्छा भी है। उसमें जुनून है। उन्होंने यह भी कहा कि वह विदेशी सरजमीं पर जीतकर अपनी छाप छोड़ना चाहता है। उन्होंने कहा कि वह घर से बाहर जीतने को इतना बेकरार है और वाकई नंबर वन रैंकिंग का हकदार है। बतौर कप्तान यह आपकी असली परीक्षा है। बार्डर ने कहा कि वह टीम को नंबर वन बनाने में कामयाब रहा है लेकिन कप्तान की असली पहचान अपने देश से बाहर मिली जीत से होती है। वह इस कमी को पूरा करना चाहता है।

कोहली शीर्ष पर बरकरार, पंत और बुमराह कैरियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

दुबई। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने ताजा आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है जबकि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर हैं। कोहली को आस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में दूसरे टेस्ट में पहली पारी में 123 रन बनाने से 14 अंक मिले। उनके कुल 934 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड के केन विलियमसन से 19 अंक पीछे हैं। पंत 11 पायदान चढकर 48वें स्थान पर है जबकि भारतीय उपकप्तान अजिंक्य रहाणे दो पायदान ऊपर शीर्ष 15 में आ गए हैं। विलियमसन ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्टमें 91 रन बनाये। उनके कुल 915 अंक हैं। न्यूजीलैंड के टाम लाथम नाबाद 264 रन की अपनी पारी के कारण 15 पायदान की छलांग लगाकर कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 22वीं रैंकिंग पर पहुंच गए। तेज गेंदबाज टिम साउदी 11वें स्थान पर आ गए हैं। पर्थ टेस्टमें मैन आफ द मैच रहे नाथन लियोन कैरियर की सर्वश्रेष्ठ सातवीं रैंकिंग पर हैं। जोश हेजलवुड दो पायदान चढकर नौवे और मिशेल स्टार्क एक पायदान चढकर 15वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों में उस्मान ख्वाजा एक पायदान चढकर 12वें और कप्तान टिम पेन नौ पायदान चढकर 46वें स्थान पर पहुंच गए। ट्रेविस हेड 16 पायदान चढकर 63वें स्थान पर हैं। श्रीलंका के पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज और कुशाल मेंडिस क्रमशः 16वें और 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं।%

कोहली के बचाव में उतरे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच डेरेन लीमैन

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के पूर्व कोच डेरेन लीमैन ने विराट कोहली का बचाव करते हुए कहा है कि वह हर समय जीत की इच्छा रखने वाला 'जल्दी उत्तेजित होने वाला' खिलाड़ी है जिसके मैदान पर बर्ताव में कोई खराबी नहीं है। कोहली और आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन दूसरे टेस्ट के दौरान मैदान पर कई मौकों पर भिड़ गए। भारत यह मैच 146 रन से हार गए। बीसीसीआई और क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने दोनों के बीच हुई छींटाकशी को सभ्यता के दायरे में बताया लेकिन भारत और आस्ट्रेलिया के कई पूर्व क्रिकेटरों ने कोहली की आक्रामकता की आलोचना की है। लीमैन ने कहा कि कोहली काफी जुनूनी है। मैदान पर वह ऐसे ही रहता है और हमेशा ऐसे ही रहेगा। वह जल्दी उत्तेजित हो जाता है। वह हमेशा जीतना चाहता है और चुनौतियां उसे पसंद है। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ अपने लिये नहीं, देश को जीतते देखना चाहता है। इस तरह की छींटाकशी में कोई बुराई नहीं है। लीमैन ने कहा, 'कोहली या टिम पेन किसी ने भी सीमारेखा पार नहीं की। यह अच्छी छींटाकशी थी और स्टम्प माइक के कारण सुनने में मजा आया।' आस्ट्रेलिया के मौजूदा कोच जस्टिन लैंगर ने भी इसे हंसी मजाक से भरपूर कहा था। लीमैन ने कहा कि इसे अनावश्यक विवाद नहीं बनाया जाना चाहिये।उन्होंने कहा कि देश के लिये खेलते समय इस तरह का जुनून रहना जरूरी है। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। पर्थ में जो कुछ हुआ, उसे लेकर कोई नौटंकी नहीं होनी चाहिये। डेरेन लीमैन कहा कि अपना खेल दिखाओ और यह सुनिश्चित करो कि यह निजी नहीं है और खेल को खेलभावना से खेलो। मुझे यकीन है कि मैच के बाद या श्रृंखला के बाद सब ठीक हो जायेगा। लीमैन गेंद से छेड़खानी विवाद के समय आस्ट्रेलिया के कोच थे जिसके बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया। उसके बाद से आस्ट्रेलियाई क्रिकेट विवाद के घेरे में है लेकिन उनका कहना है कि पर्थ में मिली जीत इस नयी टीम के लिये निर्णायक मोड़ हो सकती है। लीमैन ने आगे कहा कि पेन अभी तक शानदार कप्तान रहा है। उसने कठिन दौर में कप्तानी संभाली है और अभी तक सब कुछ ठीक रहा है। पेन की कप्तानी की कोई आलोचना नहीं कर सकता। एडीलेड में भारतीय टीम बेहतर थी लेकिन इन दो टेस्ट से साबित हो गया कि यह श्रृंखला शानदार होगी। उन्होंने कहा कि पर्थ में मिली जीत से आस्ट्रेलियाई टीम का हौसला काफी बढेगा

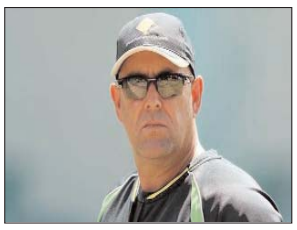

कर्स्टर्न को पीछे छोड़कर भारतीय महिला टीम के कोच बने रमन

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन पर तरजीह देते हुए पूर्व सलामी बल्लेबाज डब्ल्यू वी रमन को गुरूवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया गया जबकि चयन प्रक्रिया को लेकर प्रशासकों में आपसी मतभेद हैं। रमन (53 वर्ष) इस समय बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में बल्लेबाजी सलाहकार के तौर पर काम कर रहे हैं। वह अगले महीने न्यूजीलैंड में पहली बार टीम के साथ जाएंगे। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, ''कर्स्टन बीसीसीआई की तदर्थ चयन समिति की पहली पसंद थे, लेकिन रमन को यह पद मिला क्योंकि कर्स्टन आईपीएल फ्रेंचाइजी रायल चैलेंजर्स बेंगलूर के साथ अपना पद छोड़ने को तैयार नहीं थे। उन्हें आईपीएल और राष्ट्रीय टीम में से एक को चुनने के बारे में मनाया नहीं जा सका।'' चयन समिति में पूर्व कप्तान कपिल देव, अंशुमन गायकवाड़ और एस रंगास्वामी शामिल हैं। विश्वस्त सूत्र ने कहा कि पैनल ने बोर्ड को तीन नाम -कर्स्टन, रमन और वेंकटेश प्रसाद (तरजीह के आधार पर)- की सिफारिश की। लेकिन बीसीसीआई ने पद के लिये रमन को चुना। प्रशासकों की समिति (सीओए) के बीच इस मुद्दे पर विभाजित विचारों के बावजूद यह नियुक्ति गयी जिसमें डायना एडुल्जी ने चेयरमैन विनोद राय को चयन प्रक्रिया रोकने को कहा था। बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी ने भी प्रक्रिया पर सवाल उठाये और कहा कि इसे राय की मंजूरी मिली थी, एडुल्जी की नहीं। रमन ने देश के लिये 11 टेस्ट और 27 वनडे खेले हैं और इस समय वह देश के सबसे योग्य कोच में से एक हैं। वह तमिलनाडु और बंगाल जैसी बड़ी रणजी

ट्राफी टीम को कोचिंग दे चुके हैं और भारत अंडर-19 टीम के साथ भी काम कर चुके हैं। उन्हें 1992-93 दौरे के दौरान दक्षिण अफ्रीका में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय के रूप में भी याद किया जाता है। कर्स्टन, रमन और प्रसाद के अलावा 28 आवेदकों में से जिन अन्य उम्मीदवारों को गुरूवार को साक्षात्कार के लिये छांटा गया था, उनमें मनोज प्रभाकर, ट्रेंट जानस्टन, दिमित्री मास्करेन्हास, ब्रैंड हॉग और कल्पना वेंकटाचर शामिल थे। कर्स्टन के अलावा चार अन्य से स्काइपी पर और एक से फोन पर इंटरव्यू लिया गया। रमन, मनोज प्रभाकर और रमेश पोवार साक्षात्कार देने पहुंचे। भारत की पुरूष टीम को 2011 विश्व कप में खिताब दिलाने वाले कर्स्टन इन सभी में पहली पसंद थे। लेकिन इसके लिये उन्हें हितों के संभावित टकराव से बचने के लिये आरसीबी का पद छोड़ने की जरूरत थी। बीसीसीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राहुल जौहरी ने भी कर्स्टन और आरसीबी अधिकारियों से बात की लेकिन इस पर सहमति नहीं बन सकी।

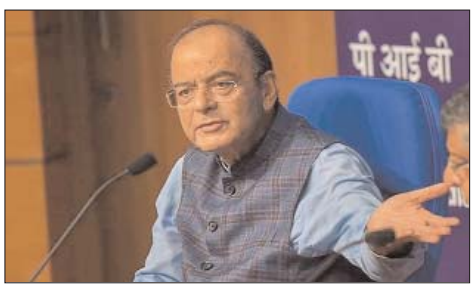

सरकारी बैंकों में कुछ महीनों में 83,000 करोड़ रुपये की पूंजी डालेगी सरकार: जेटली

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार चालू वित्त वर्ष के बचे हुए महीनों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 83,000 करोड़ रुपये की पूंजी डालेगी। इससे पहले, दिन में सरकार ने अनुपूरक अनुदान मांग की दूसरी किस्त के जरिये सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 41,000 करोड़ रुपये की पूंजी डालने के लिये संसद की मंजूरी मांगी। इससे चालू वित्त वर्ष में बैंकों में 65,000 करोड़ रुपये के बजाए कुल 1.06 लाख करोड़ रुपये की पूंजी डाली जाएगी। जेटली ने संवाददाताओं से कहा कि पूंजी डाले जाने से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कर्ज देने की क्षमता बढ़ेगी और आरबीआई के तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) रूपरेखा से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में फंसे कर्ज (एनपीए) की पहचान का काम पूरा हो चुका है और एनपीए में कमी आनी शुरू हो गयी है।

आरआईएनएल में इस समय विनिवेश उपयुक्त नहीं: इस्पात मंत्रालय

नयी दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को निवेश और सार्वजनिक संपत्ति विभाग (दीपम) से कहा कि इस समय राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) का आईपीओ लाने के लिये कदम उठाना उपयुक्त नहीं होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार इस्पात मंत्रालय ने कहा है कि आरआईएनएल के पिछले तीन वित्त वर्ष में प्रदर्शन को देखते हुए इस समय आईपीओ लाना संभवतः उपयुक्त नहीं है। घाटे में चल रहे सार्वजनिक कंपनियों की समीक्षा पर लोक उपक्रमों पर संसद की समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही। रिपोर्ट बृहस्पतिवार को संसद में पेश की गयी। दीपम ने इस्पात मंत्रालय से आरआईएनएल में आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) के जरिये विनिवेश के बारे में राय मांगी थी। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने 2012 में आरआईएनएल में आईपीओ के जरिये 10 प्रतिशत हिस्सेदारी के विनिवेश के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी थी। सरकार की कंपनी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि सेल की घाटे में चल रही तीन कंपनियां- विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट, सलेम स्टील प्लांट और एलाय स्टील प्लांट में रणनीतिक विनिवेश का प्रस्ताव किया गया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में खादी ग्रामोद्योग की बड़ी भूमिका: मुख्यमंत्री

रांची। मुख्यमंत्री रघुवर दास ने गुरुवार को कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में खादी व ग्रामोद्योग की अहम भूमिका है जिसे देखते हुए राज्य सरकार इसे बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव के यहां उद्घाटन के बाद अपने भाषण में मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि खादी के मजबूत होने से भारत विकसित हो सकेगा। खादी व ग्रामोद्योग की देश के विकास में अहम भूमिका है। इसी को देखते हुए झारखंड सरकार इसे बढ़ावा दे रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लोगों को रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। यह महोत्सव छह जनवरी तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव में छोटे-छोटे उद्योग लगने से रोजगार के लिए होने वाला पलायन रूकेगा। लोग स्वाबलंबी होंगे। महात्मा गांधी ने भी सुराज के लिए गांव के सशक्तिकरण को जरूरी बताया था। प्रधानमंत्री भी गांव, ग्रामीण और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। खादी को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलायी है। इसी प्रकार मीठी क्रांति का नारा देकर उन्होंने मधुमक्खी पालन पर बल दिया है।

जियो 4जी डाऊनलोड सबसे तेज, अपलोड में आइडिया शीर्ष पर: ट्राई

नई दिल्ली। रिलायंस जियो 4जी डाऊनलोड रफ्तार में सबसे आगे निकल गई है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा नवम्बर माह के लिए जारी चार्ट में यह जानकारी दी गई है। हालांकि जियो के नेटवर्क प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट आई और उसकी औसत रफ्तार 20.3 मैगाबिट प्रति सैकेंड (एमबीपीएस) दर्ज हुई है। ट्राई के माईस्पीड पोर्टल पर प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार नवम्बर में भारती एयरटेल के 4जी नेटवर्क का प्रदर्शन थोड़ा सुधरा है और यह अक्टूबर के 9.5 से बढ़कर नवम्बर में 9.7 एमबीपीएस हो गया है। हालांकि वोडाफोन और आइडिया सैल्युलर ने अपने कारोबार का विलय किया है और दोनों अब वोडाफोन आइडिया के नाम से परिचालन करती हैं, लेकिन ट्राई ने दोनों के नेटवर्क के प्रदर्शन के आंकड़े अलग-अलग दिए हैं। वोडाफोन के नेटवर्क पर 4जी डाऊनलोड रफ्तार मामूली सुधार के साथ 6.8 एमबीपीएस रही है वहीं आइडिया के नेटवर्क पर यह 6.4 से घटकर 6.2 एमबीपीएस रह गई है। 4जी अपलोड रफ्तार के मामले में आइडिया शीर्ष पर बनी हुई है। नवम्बर में आइडिया के नेटवर्क पर अपलोड रफ्तार 5.6 एमबीपीएस रही। अक्टूबर में हालांकि यह 5.6 एमबीपीएस थी। ट्राई ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा कि वह फोन टैपिंग से संबंधित ब्योरे को नहीं जुटाता है और इसका खुलासा भी नहीं कर सकता क्योंकि इससे देश की अखंडता और एकता प्रभावित हो सकती है।

2.1 फीसदी बढ़ा चीनी का उत्पादन

नई दिल्ली । चालू गन्ना पेराई सत्र 2018-19 अक्टूबर-सितंबर के शुरुआती ढाई महीने में चीनी के उत्पादन में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 2.1 फीसदी का इजाफा हुआ है। निजी चीनी मिलों का शीर्ष संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन यानी इस्मा द्वारा जारी उत्पादन आंकड़ों के अनुसार, चालू सीजन में 15 दिसंबर तक देशभर में 70.52 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है, जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान हुए उत्पादन मुकाबले 1.48 लाख टन यान 2.1 फीसदी अधिक है। पिछले साल जहां 476 चीनी मिलों उत्पादन चल रहा था वहां इस साल 462 मिलें इस समय चालू हैं। महाराष्ट्र में चालू 178 मिलों में कुल 29 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है, जबकि पिछले साल 176 मिलों में 15 दिसंबर तक महज 25.70 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। हालांकि देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में चीनी 116 चीनी मिलों में 15 दिसंबर तक कुल 18.94 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ, जबकि पिछले साल 23.37 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। देश के तीसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक प्रदेश कर्नाटक में चालू सीजन में 13.94 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है, जबकि पिछले साल 15 दिसंबर तक 11.24 लाख टन हुआ था। गुजरात में चालू 16 मिलों में कुल 3.10 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है जबकि पिछले साल की समान अवधि में 2.75 लाख टन हुआ था। आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में 1.05 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। तमिलनाडु में पिछले साल जहां 15 दिसंबर तक 0.47 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था वहां इस साल 0.85 लाख टन हुआ है। बिहार, पंजाब, हरियाणा और मध्यप्रदेश में क्रमशः 1.36 लाख टन, 0.35 लाख टन, 0.90 लाख टन और 0.65 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है।

आर्थिक वृद्धि दर बढ़ाने नीति आयोग ने पेश किए रणनीतिक दस्तावेज

नई दिल्ली। नीति आयोग ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर को बढ़ाकर 8-9 प्रतिशत करने तथा 2030 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के ?लिए बहुप्रतीक्षित नए भारत के लिए रणनीतिञ्च 75 दस्तावेज जारी किया। बहु-स्तरीय रणनीति पेश करते हुए दस्तावेज में कहा गया है कि पर्याप्त वृद्धि सृजित करने तथा सभी के लिए समृद्धि हासिल करने को लेकर 2022-23 तक 9 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर जरूरी है। 15 अगस्त 2022 को भारत की आजादी के 75 साल हो जाएंगे। दस्तावेज जारी करते हुए वित्त मंत्री अरुण जेतली ने कहा ?कि ठोस और मजबूत नीति अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाती है और यह अंततः उन्हें गरीबी से निकालकर बेहतर जीवन प्रदान करती है। विकास रणनीति में किसानों की आय दोगुनी करना, मेक इन इंडिया को गति देना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा नवप्रवर्तन माहौल का उन्नयन तथा फिनटैक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) तथा पर्यटन जैसे उभरते क्षेत्रों को बढ़ावा देना शामिल हैं। दस्तावेज में कहा गया कि 2018-23 के दौरान 8 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य हासिल करने के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर को निरंतर गति देनी होगी। इससे वास्तविक आधार पर अर्थव्यवस्था का आकार 2017-18 के 2700 अरब डॉलर से बढ़कर 2022-23 तक 4,000 अरब डॉलर का हो जाएगा।

गिरावट के साथ खुले बाजार

मुंबई । वैश्विक बाजारों से ?मिले कमजोर संकेतों के बीच गुरवार के कारोबारी ?दिन भारतीय बाजारों ने कमजोर शुरुआत की लेकिन फिलहाल इनमें निचले स्तरों से रिकवरी दिख रही है। सेंसेक्स 36365 के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं निफ्टी 10940 के नीचे कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में दिग्गज शेयरों में कमजोरी के बावजूद आज मिड और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी दिख रही है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स 0.26 फीसदी की बढ़त दिखा रहा है। बैंकिंग शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना हुआ है। निफ्टी के पीएसयू और प्राइवेट बैंक दोनों इंडेक्स लाल निशान में नजर आ रहें हैं। बैंक निफ्टी 0.25 फीसदी की कमजोरी के साथ 27230 के नीचे दिख रहा है। ऑयल और गैस शेयरों में भी आज बिकवाली दिख रही है। बीएसई का ऑयल एंड गैस इंडेक्स 0.2 फीसदी की कमजोरी दिखा रहा है। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स करीब 110 अंक की गिरावट के साथ 36375 के स्तर के करीब कारोबार कर रहा है। वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स निफ्टी 35 अंक की गिरावट के साथ 10930 के आसपास कारोबार कर रहा है।

हजार बिस्तर अस्पाल के निर्माण में तेजी लाएं : बीएम शर्मा

संभागीय कमिश्नर ने लिया निर्माण कार्य का जायजा

ग्वालियर। हजार बिस्तर के अस्पताल के निर्माण कार्य में तेजी लाएं। सभी कार्य गुणवत्ता के साथ और तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराए जाएं। ग्वालियर-चंबलवासी बड़ी शिद्दत के साथ इस अस्पताल का इंतजार कर रहे हैं। इसलिये अस्पताल के सभी निर्माण कार्य ऐसे हों, जो आधुनिक अस्पतालों के लिये उदाहरण बनें। यह बात संभागीय कमिश्नर श्री बी एम शर्मा ने कही। उन्होंने गुरूवार को अस्पताल के निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री विनोद शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उनके साथ थे। संभागीय कमिश्नर ने कहा कि ग्वालियर पॉटरीज की जमीन पर हजार बिस्तर के अस्पताल का निर्माण हो रहा है। इससे सटी आरटीओ के आधिपत्य वाली जमीन भी अस्साल के लिये आरक्षित की गई है। उन्होंने कार्य एजेन्सी से कहा कि अस्पताल के निर्माण के दौरान यथा संभव ऐसे प्रयास करें, जिससे पॉटरीज की जमीन पर खड़े पेड़ बच जाएं। इस अवसर पर मुख्य अभियंता लोक निर्माण, मेडीकल कॉलेज के डीन, जेएएच के अधीक्षक, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आधुनिकतम होगा हजार बिस्तर का अस्पताल : हजार बिस्तर के अस्पताल भवन का निर्माण आधुनिकतम डिजाइन से होगा। इस अस्साल में वो सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिनकी कल्पना चिकित्सास के लिहाज से की जाती है। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण श्री प्रदीप अष्ठपुत्रे ने बताया?कि हजार बिस्तर के अस्पताल का निर्माण लगभग सवा 6 हैक्टेयर जमीन (लगभग एक लाख पाँच हजार वर्ग मीटर) क्षेत्र में किया जा रहा है। अस्पताल के निर्माण के लिये कुल 338 करोड़ रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। गत 6 अक्टूबर को अस्पताल निर्माण के लिये अनुबंध हुआ था और 15 दिसम्बर को कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि कुल 1008 बिस्तर के इस अस्साल का निर्माण दो चरणों में किया जायेगा। अस्पताल में कुल तीन ब्लॉक होंगे। इसके अलावा एक प्रशासनिक ब्लॉक व 300 बिस्तर की क्षमता वाली धर्मशाला भी बनाई जायेगी। पोस्ट मार्टम कक्ष का निर्माण भी अस्पताल में होगा। अस्साल के प्रबंधन के लिये सर्विस ब्लॉक भी बनाया जायेगा। इसके अलावा चिकित्सक एवं पैरामेडीकल स्टॉफ के लिये 100 आवास बनेंगे। अस्पताल का निर्माण पॉटरीज की जमीन पर और आवासीय भवन जेएएच परिसर में बनाए जायेंगे। श्री अष्ठपुत्रे ने बताया कि प्रथम चरण में ए और सी ब्लॉक धर्मशाला का निर्माण होगा। सी-ब्लॉक में 568 बैड और ए-ब्लॉक में 260 बैड होंगे। अस्पताल का निर्माण 30 महीने में पूर्ण किया जाना है। जिसमें से प्रथम चरण के कार्य के लिये 18 माह की समय-सीमा निर्धारित है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक भवन में सभी चिकित्सा विभागों के पंजीयन का कार्य होगा। वहीं से मरीज सीधे संबंधित विभाग में जा सकेंगे। सी-ब्लॉक में 150 बैड का प्राइवेट वार्ड भी निर्मित किया जायेगा।

झाँसी रोड़ बस स्टेण्ड के बगल में बनेगा वीडियो कोच बस स्टेण्ड

संभाग आयुक्त श्री बी एम शर्मा ने नव निर्मित झाँसी रोड़ बस स्टेण्ड का भी जायजा लिया। उन्होंने जल्द से जल्द आमखो बस स्टेण्ड की बसों के लिये झाँसी रोड़ बस स्टेण्ड चालू करने के निर्देश नगर निगम आयुक्त को दिए। साथ ही कहा कि इस बस स्टेण्ड के बगल में वीडियो कोच बसों के लिये बस स्टेण्ड बनाने का काम आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा बस स्टेण्ड के लिये जमीन आवंटित करने की कार्रवाई जल्द पूर्ण कराई जायेगी। उन्होंने पड़ाव पर निर्माणाधीन नवीन रेलवे ओवर ब्रिज के कार्य का भी गुरूवार को जायजा लिया। रेलवे के अधिकारियों ने जानकारी दी कि नवीन रेलवे ओवरब्रिज के एक तरफ का काम जल्द ही पूर्ण हो जायेगा। इसके साथ ही यह पुल आवागमन के लिये शुरू किया जा सकेगा। एक तरफ का काम पूर्ण होने पर दूसरी तरफ का आरओबी बनाने का कार्य शुरू किया जायेगा।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से देश में फिर बनेंगी भाजपा सरकारः डॉ. सिकरवार

भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों के साथ षहीद भगतसिंह मण्डल में आभार यात्रा के लिए बैठक हुई

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी के ग्वालियर पूर्व से प्रत्याषी रहे डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने कहा है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देष को विकास के नये आयाम तक पहुँचाया है और ये विकास कार्य यहीं नही रूकने वाले आने वाले समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देष नये आयाम कायम करेगा और तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ेगा। लेकिन ये जब ही संभव है जब हम सब मिलकर लोकसभा चुनाव के लिए पूरी मेहनत के साथ जुट जाये। डॉ. सिकरवार आज द्वारका गार्डन पिन्टू पार्क चौराहा में षहीद भगतसिंह मण्डल की आयोजित आभार बैठक में बोल रहे थे। इस मौके पर भाजपा विधानसभा प्रभारी रहे वरिश्ठ नेता राकेष जादौन, जिला मंत्री राकेष खुरासिया, अषोक जैन जिला कार्यकारणी सदस्य, जबर सिंह, भूपेन्द्र मोगनिया, बृजेष गुप्ता, रामप्रकाष परमार मण्डल अध्यक्ष, दीपक जैन मण्डल महामंत्री, वरिश्ठ भाजपा नेता हरीमोहन पुरोहित, हंसराज तलरेजा पूर्व मण्डल अध्यक्ष, नारायण अग्रवाल पूर्व मण्डल अध्यक्ष, सभी मोर्चा एवं प्रकोश्ठो के मण्डल अध्यक्ष से आदि मंचासीन रहे। बैठक में डॉ. सिकरवार ने कार्यकर्ताओं व समर्थकों से कहा के अपना बूथ सबसे मजबूत के संकल्प के साथ हम सब को काम करना है और ये कार्य हमें अपनी जिम्मेदरी समझ कर करना होगा। डॉ. सिकरवार ने कहा कि अगर हमारी मेहनत में किसी भी तरह की कसर रह गई तो देष एक अनमोल रत्न प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को खो देगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देष की जनता को जन-धन योजना, फसल बीमा योजना, आयुश्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी कई योजना से नागरिक लाभांवित हो रहे है। विधानसभा प्रभारी रहे वरिश्ठ नेता राकेष जादौन ने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के कारण जिन नागरिकों ने कभी भी बैंक की सीडियां तक नहीं चढी थी, उनके भी आज बैंकों में खाते है और इन खातों की मदद से देष के नागरिकों को मिलने वाला सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके खातों के माध्यम से प्राप्त होता है।

नव वर्ष मिलन समारोह के तहत क्रिकेट मैच का आयोजन 6 जनवरी 2019 को

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा आयोजित किए जा रहे नव वर्ष मिलन समारोह के अंतर्गत प्रथम दिवस दिनांक 06 जनवरी 2019 को क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन कै. रूपसिंह स्टेडियम में किया जाएगा चेम्बर अध्यक्ष-अरविन्द अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-यश कुमार गोयल, उपाध्यक्ष-सुरेश बंसल, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-जगदीश मित्तल व कोषाध्यक्ष-गोकुल बंसल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया है कि उपरोक्त क्रिकेट प्रीमियर लीग के सफल आयोजन हेतु कोर्डिनेटर-प्रशांत गंगवाल एवं को-कोर्डिनेटर-प्रकाश रोहरा एवं अजय गोयल को बनाया गया है। नव वर्ष मिलन समारोह आयोजन समिति के संयोजक-यश कुमार गोयल एवं सहसंयोजक-सुरेश बंसल, जगदीश मित्तल एवं गोकुल बंसल ने बताया है कि क्रिकेट प्रीमियर लीग में संस्था के सदस्य ही केवल शामिल हो सकते हैं। साथ ही, इसमें शामिल होने हेतु निर्धारित शुल्क जमा करने की तिथि 24 दिसंबर है। स्थान सीमित हैं, पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर ही सदस्यों को खेलने का अवसर प्राप्त होगा। संस्था के समस्त पदाधिकारियों सहित कोर्डिनेटर-प्रशांत गंगवाल एवं को-कोर्डिनेटर प्रकाश रोहरा एवं अजय गोयल ने चेम्बर के समस्त सदस्यों से उपरोक्त आयोजन में बढ-चढ कर शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

विदिशा मुखर्जी CEO साडा बनी

भोपाल। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2 अधिकारी स्थानांतरित किये गये हैं। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश में श्रीमती विदिशा मुखर्जी को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, टीकमगढ़ से स्थानांतरित कर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा), (काउंटर मेग्नेट), ग्वालियर और अनुराग सक्सेना, उप सचिव, मध्यदेश शासन, राजस्व विभाग तथा पर्यटन एवं विमानन विभाग (अतिरिक्त प्रभार) को स्थानांतरित कर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, छिंदवाड़ा पदस्थ किया गया है।

IAS ऋषि गर्ग की नवीन पदस्थापना

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी ऋषि गर्ग को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत छिन्दवाड़ा को अपर आयुक्त, जनजातीय कार्य विकास विभाग पदस्थ किया गया है। इस आशय का आदेश राज्य शासन द्वारा जारी किया गया।

हत्या के आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

ग्वालियर। थाटीपुर क्षेत्र में हुई युवक की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस ने सभी आरोपियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। थाटीपुर पुलिस हत्यारोपियों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक नदीपार टाल कलारी के सामने खाली पड़े प्लॉट में रामवीर पुत्र शिवनारायण राठौर उम्र 32 निवासी नदीपार टाल की लाश गत 19 दिसंबर को मिली थी। मृतक के भाई रमापति राठौर ने पुलिस को बताया था कि उसने अपने भाई को 18 दिसंबर को करन कोली एवं बृजेश कोली के साथ देखा था। जिसके बाद पुलिस ने नदीपार टाल से एक सूचना पर आरोपियों करन कोली पुत्र रामश्वर दयाल कोली उम्र 18 गली नं0 1 सिद्धेश्वर नगर और बृजेश कोली पुत्र जितेन्द्र उम्र 19 निवासी नदी पार टाल ग्वालियर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किये गये दोनों आरोपियों से घटना के संबंध मे पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि दरम्यानी रात 18-19 दिसंबर को उन्होंने मृतक रामवीर राठौर से शराब पीने के लिये रूपयों की मांग की थी। मृतक रामवीर द्वारा रूपये न देने पर उससे हमारा विवाद हो गया और हम दोनों लोगों ने रामवीर को नदीपार टाल कलारी के सामने खाली पड़े प्लॉट में पत्थर से मार-मार उसकी हत्या कर दी। आरोपियों पर थाना थाटीपुर में मृतक के भाई रमापति राठौर द्वारा हत्या का प्रकरण दर्ज कराया था। जिसमें थाना थाटीपुर पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुऐ हत्या के दोनों आरोपियों को 24 घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। मृतक के भाई के बयान के बाद उक्त दोनों आरोपियों से सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने हत्या की घटना को घटित करना स्वीकार किया। हत्या के आरोपियों की 24 घंटे में गिरफ्तारी मे थाना प्रभारी थाटीपुर सी.एस. बघेल, उनि इंदर सिंह, प्रआर जगवीर सिंह, आरक्षक दिनेश सिंह तोमर, मुकेश सिंह चौहान, रामकिशन, राजीव सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

दिव्यांग खिलाड़ियों बढ़-चढ़कर भाग लिया

ग्वालियर। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा 18 दिसम्बर को विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर स्थानीय एसएएफ ग्राउण्ड पर विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले दिव्यांग खिलाड़ियों को पुरस्कार भी वितरित किए गए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम वर्मा ने प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि सभी में प्रतिभाएं होती हैं। आवश्यकता उन्हें निखारने की रहती है। प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे सभी बच्चे अपनी क्षमता के अनुसार बेहतर खेल का प्रदर्शन करें। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए। इस आयोजन में श्रवण बाधित, दृष्टिबाधित, मानसिक रूप से अविकसित दिव्यांग बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में 12 संस्थाओं के लगभग 450 से अधिक दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कोशिश क्विज कॉम्पटीशन 22 को

ग्वालियर । कोशिश वेलफेयर सोसाइटी ग्वालियर द्वारा अंतर महाविद्यालयीन कोशिश क्विज कॉम्पटीशन का आयोजन 22 दिसंबर को किया जाएगा। यह कार्यक्रम सिटी सेंटर स्थित एमपी सिटी कॉलेज के ऑडिटोरियम में सुबह 10ः30 बजे से शुरू होगी। इसमें ग्वालियर, मुरैना, दतिया, भोपाल, आगरा, झांसी, इंदौर, सागर, पुणे आदि शहरों की टीमें शामिल होंगी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थिहयों को सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना है। इसमें सामाजिक, राजनैतिक, ऐतिहासिक, खेल और करेंट अफेयर्स आदि विषय आदि विषय के प्रश्नों को शामिल किया जाएगा।

तीन दिवसीय ज्योतिष सम्मेलन 23 से

ग्वालियर ।लायंस क्लब ग्वालियर क्लासिक की ओर से 23 से 25 दिसंबर तक चेंबर ऑफ कॉमर्स के सभागार में अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसका शुभारंभ शाम 4 बजे से होगा, जबकि सुबह 11 से शाम 5 बजे तक समाधान सत्र चलेगा। 24 दिसंबर को शाम 5 बजे से ज्योतिष सम्मान समारोह होगा। कार्यक्रम के अंतिम दिन शाम 5 बजे से सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें समाधान सत्र सुबह 11 से शाम 5 बजे तक चलेगा। इसमें दिल्ली से अविनाश चंद्रा, मधुबाला, निर्मला शर्मा, उज्जैन से पं. यश जोशी, धार से जया गीते, संतोष चौधरी, भुवनेश्वर से प्रदीप पटनायक, फरीदाबाद से मोहिनी ढोलक हंडी सहित कई ज्योतिषी आएंगे।

केआरजी की छात्रा पूनम ने तमिलनाडु में किया मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

सिटी रिपोर्टर गीता पांडेय

ग्वालियर के केआरजी महाविद्यालय,एन.एस.एस इकाई की छात्रा पूनम पाल ने जीवाजी विश्वविद्यालय एवं मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए कराईकुडी तमिलनाडु मे दिनांक 10/12/18 से 16/12/18 तक आयोजित एन.एस.एस. के राष्ट्रीय एकात्मता शिविर मे मध्यप्रदेश का मान सम्मान बढ़ाया इस दौरान पूनम ने मोस्ट वैल्युएबल स्टूडेंट ऑफ द कैंप (स्क्रूस)एवं भाषण प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर मध्यप्रदेश के साथ साथ महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है,पूनम की इस उपलब्धि अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य श्री बी.एम.कुलश्रेष्ठ एवं कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती वीणाशुक्ला ने उन्हें बधाई दी और उनके मंगल जीवन की कामना की।।वहीं पुष्पांजली टुडे के सब एडिटर अर्पित गुप्ता से हुई खास बातचीत में पूनम ने बताया कि उन्हें यह सम्मान पाकर बहुत खुशी हुई है और वह इन सब श्रेय अपने परिवार व अपने महाविद्यालय के समस्त उन शिक्षको को देती हैं जिन्होंने उन्हे इस लायक बनाया साथ ही पूनम ने कहा कि मध्यप्रदेश का मान सम्मान बढ़ाने के किये मैं सदैव तत्पर रहूंगी।।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कालोनी भिण्ड रोड गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/MPHIN31130

नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-भरत सिंह चौहान। E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333- मोबा.8269307478,